जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, बुधवार 6 मई, 2026

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड, जयपुर

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

रियल एस्टेट में
रियल रिटर्न्स

₹4000/- Sq Ft में फ्लैट! ₹5000/- Sq Ft में कोठी!

FIXED PRICE

NO MIDDLE MEN

अब हर महीने रेट बढ़ेगी

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 MAY 2026	30 JUNE 2026	31 JULY 2026	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 Lacs	66 Lacs	68 Lacs	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 Lacs	82.5 Lacs	85 Lacs	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 Cr	1.075 Cr	1.10 Cr	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.26 Cr	1.29 Cr	1.32 Cr	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.60 Cr	1.65 Cr	1.70 Cr	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

FIXED PRICE

राजस्थान के 1 लाख ग्राहकों का भरोसा

स्विस तकनीक का उपयोग करके पूरी तरह स्वचालित
Bühler प्लांट से निर्मित सूजी

प्रोडक्ट कैटेगरी
आटा | सूजी | दलिया | बेसन | दाल | चावल | गेहूं | पोहा | सोया चंक्स | खड़े मसाले | पिसे मसाले
ब्लेंडेड मसाले | सेंधा नमक | फ्लेवर्ड मखाने | रोस्टेड चना | कुकिंग ऑयल | ड्राई फ्रूट्स | चाय | गुड़ | मिश्री

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800-120-2727

For joining us as Distributor or Business Development Officer
Email ID : bdm@kediapavitra.com | Call : +91 76888-66333

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply
MRP ₹ Incl. of all taxes

विचार बिन्दु

गुणों से ही मनुष्य महान होता है, ऊँचे आसन पर बैठने से नहीं। महल के ऊँचे शिखर पर बैठने मात्र से कौवा गरुड़ नहीं हो सकता। -चाणक्य

शहरों में ट्रैफिक व्यवस्था को देखने वाला कोई है भी?

राजस्थान के लगभग हर बडे और मध्यम शहर में ट्रैफिक व्यवस्था दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। मुख्य चौराहों पर लंबा जाम, गलत दिशा में दौड़ते वाहन, जहां-तहां खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहन, अतिक्रमण से घिरी सड़कें तथा नियमों की खुलेआम अनदेखी आम दृश्य बन गये हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब प्रत्येक शहर में ट्रैफिक पुलिस के अनेक बड़े अधिकारी नियुक्त हैं, तब यह अव्यवस्था आखिर क्यों बनी हुई है? जनता यह जानना चाहती है कि क्या जिम्मेदार अधिकारियों को सड़कों की वास्तविक स्थिति दिखाई नहीं देती? क्या उनकी जिम्मेदारी केवल कार्यालयों में बैठकर कागजी कार्यवाही करना रह गई है? यदि अफसर नियमित रूप से सड़कों पर उतरें, संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण करें और मौके पर समाधान करवाएं, तो क्या स्थिति में बड़ा सुधार नहीं हो सकता? ट्रैफिक व्यवस्था केवल चालान काटने तक सीमित नहीं होती है। इसका उद्देश्य सुचारु यातायात, नागरिक सुरक्षा और सड़क अनुशासन स्थापित करना होता है। जनता टैक्स देती है, नियमों का पालन करती है और बदले में सुरक्षित व व्यवस्थित सड़कें चाहती है। यह नागरिक अधिकार है। शहरों में ट्रैफिक के सुचारु संचालन के लिये एक अच्छे सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की ज़रूरत को सभी स्वीकार करते हैं किन्तु व्यवस्था की गुणवत्ता सुधारने के लिए रणनीतियां अपनाने को लेकर मतभिन्नता नज़र आती है।

पिछले दो दशकों में जयपुर सहित देश के अनेक शहरों में मेट्रो रेलें शुरू की गई हैं। इस पर आम सहमति है। मगर बस यात्रियों की आवाजाही आसान बनाने के लिए बस स्टॉप की सही जगह तय करने, को लेकर भारी समस्याएं हैं। जयपुर में करोड़ों रुपये खर्च कर सड़कों के बीच में बस रेपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम बनाए गए। वे असफल रहे और उन्हें हटाने पर फिर से करोड़ों रुपये खर्च किए गए। मेट्रो सिस्टम बनाने और चलाने में भारी निवेश करने के बावजूद यह भी सच है कि सभी मेट्रो सिस्टम में यात्रियों की संख्या, अनुमानित संख्या का केवल 25-35 प्रतिशत ही है। इसलिए अगर सभी नागरिकों को एक अच्छी गुणवत्ता वाली सर्वजनिक परिवहन व्यवस्था उपलब्ध करानी है, तो एक ऐसे एकीकृत पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम की ज़रूरत है, जो अलग-अलग आकार के शहरों और ज़मीनी इस्तेमाल के अलग-अलग तरीकों के हिसाब से, यात्रा की अलग-अलग ज़रूरतों को पूरा कर सके।

ऐसा माना जाता है कि किसी भी शहर में ज़्यादातर यात्राएं 10 किलोमीटर से कम लंबी होती हैं, चाहे वहां आबादी कितनी भी क्यों न हो, या लोगों की आय कितनी भी क्यों न हो। जहां पांच किलोमीटर से कम लंबी यात्राओं के लिए सड़क-आधारित बस सिस्टम सही रहते हैं, वहीं 10 किलोमीटर से ज़्यादा लंबी यात्राओं के लिए मेट्रो जैसे हाई-परफॉर्मेंस सिस्टम ज़्यादा आकर्षक होते हैं। करीब 80 लाख की आबादी से बड़े शहरों के लिए एक अच्छी तरह से जुड़ा हुआ सिस्टम, जिसमें 300-400 किलोमीटर की मेट्रो और 1000 किलोमीटर का बस सिस्टम सार्वजनिक परिवहन का एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है। दस लाख से कम आबादी वाले छोटे शहरों में, सभी मुख्य और उप-मुख्य सड़कों पर चलने वाला बस सिस्टम-जिसमें कुछ हिस्सों में बसों के लिए अलग लेन भी हो, यात्रा की ज़रूरतों को पूरा कर सकता है।

तीन-पहिया वाहन तथा ई-रिक्शा जैसे बीच के दर्जे के सार्वजनिक परिवहन वाहन बहुत छोटे शहरों के लिए सही रहते हैं। ये वाहन बड़े शहरों में बस और मेट्रो सिस्टम के लिए एक बहुत अच्छा 'फीडर सिस्टम' भी बनते हैं। यानी वे यात्रियों को मुख्य सिस्टम तक पहुंचाने का ज़रिया बनते हैं। सार्वजनिक परिवहन को नागरिकों के लिए एक 'ज़रूरी सेवा' के तौर पर देखा जाना चाहिए, और इसके लिए ऐसे उपयुक्त वित्तीय विकल्पों को चुना जाना चाहिए जो सभी नागरिकों की आने-जाने की ज़रूरतों को पूरा कर सकें। अगले दो दशकों में भारत की शहरी आबादी के दोगुना हो जाने की उम्मीद है। वर्तमान में, भारत की शहरी आबादी का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा पांच लाख की आबादी से कम वाले छोटे शहरों में रहता है। ज़्यादातर शहरों में सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने वालों की संख्या लगातार कम हो रही है, जबकि मोटर वाले दोपहिया वाहनों और कारों का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। लोगों की आय के बढ़ते स्तर और उनकी मोटर वाले निजी वाहनों की बढ़ती सामर्थ्य के कारण, रोज़मर्रा की आवाजाही की ज़रूरतों के लिए मोटर साइकिलों और कारों का इस्तेमाल तेज़ी से बढ़ा है।

> **ऐसा माना जाता है कि किसी भी शहर में ज़्यादातर यात्राएं 10 किलोमीटर से कम लंबी होती हैं, चाहे वहां आबादी कितनी भी क्यों न हो, या लोगों की आय कितनी भी क्यों न हो। जहां पांच किलोमीटर से कम लंबी यात्राओं के लिए सड़क-आधारित बस सिस्टम सही रहते हैं, वहीं 10 किलोमीटर से ज़्यादा लंबी यात्राओं के लिए मेट्रो जैसे हाई-परफॉर्मेंस सिस्टम ज़्यादा आकर्षक होते हैं। करीब 80 लाख की आबादी से बड़े शहरों के लिए एक अच्छी तरह से जुड़ा हुआ सिस्टम, जिसमें 300-400 किलोमीटर की मेट्रो और 1000 किलोमीटर का बस सिस्टम सार्वजनिक परिवहन का एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है।**

शहरी और ग्रामीण, दोनों ही इलाकों में स्कूटर या मोटरसाइकल रखने वालों की संख्या कारों के मुकाबले कहीं ज़्यादा तेज़ी से बढ़ रही है। सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों की तुलना में निजी वाहनों का एक फ़ायदा यह है कि वे इस्तेमाल करने वालों को उनके घर तक पहुंचने की सुविधा देते हैं। इसके अलावा, यात्रा के किसी खास साधन की उपलब्धता और सुविधा का निर्धारण बुनियादी ढांचे के डिज़ाइन पर भी निर्भर कर्ता है। शहरों में सड़कों के मौजूदा डिज़ाइन पैदल चलने वालों और साइकिल चलाने वालों के लिए बेहद मुश्किल भरे हैं। सभी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों में आने-जाने की यात्राएं ज़्यादातर पैदल चलकर ही पूरी होती हैं।

पैदल चलने वालों के लिए बने बुनियादी ढांचे की खराब गुणवत्ता सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के इस्तेमाल पर असर डालती है। यातायात के साधन के चुनाव में यात्रियों की पसंद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सुविधा और विश्वसनीयता है। निजी वाहनों, विशेष रूप से स्कूटर और मोटर साइकिलों, की सुविधा, उनकी अनुकूलता और लचीलेपन के कारण, यात्रियों का एक बड़ा हिस्सा अपनी दैनिक यात्रा के लिए दोपहिया वाहन को चुनता है। उन्हें किसी भी रास्ते से ले जाया जा सकता है और जितनी चाहें उतनी बार रास्ते बदले जा सकते हैं। इसके ठीक विपरीत, बसों या मेट्रो का रास्ता तय होता है, और यदि उपयोगकर्ता का गंतव्य इस रास्ते पर नहीं पड़ता है, तो उसे वाहन बदलना पड़ता है, जो कि जटिल और समय लेने वाला हो सकता है। इस प्रकार, काम से घर तक की यात्रा, भले ही उसमें कई छोटी-छोटी यात्राएं शामिल हों, निजी वाहन का उपयोग करने वाले उपयोगकर्ता के मन में एक ही यात्रा बनी रहती है। दूसरे शब्दों में, निजी वाहन का उपयोग करते समय बीच में वाहन बदलने की संख्या शून्य होती है। यह बात विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी गंतव्य तक पहुंचने के लिए आवश्यक कुल ट्रांसफर की संख्या सार्वजनिक परिवहन के साधन और रास्ते के चुनाव को प्रभावित करती है। निजी वाहनों का यह लचीलापन उन्हें बसों और मेट्रो की तुलना में परिवहन का एक अधिक पसंदीदा साधन बनाता है।

एक कुशल सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को निजी वाहन द्वारा दी जाने वाली सुविधा और आराम के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी। सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का चुनाव और उसका संचालन, यात्रा की मांग के पैटर्न के संदर्भ में, साथ ही सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की अंतर्निहित विशेषताओं, जैसे उनकी क्षमता, विश्वसनीयता, नेटवर्क कनेक्टिविटी, परिचालन लागत, पूंजीगत लागत के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए। परिवहन के मौजूदा तरीके अर्थात, यात्रा के साधनों का चुनाव और तय की गई दूरी-यात्रियों की पसंद के साथ-साथ यात्रा के विभिन्न साधनों की उपलब्धता और गुणवत्ता के प्रभाव को भी दर्शाते हैं। विशेष रूप से, यात्रा की दूरी मौजूदा वाहन स्वामित्व, सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की उपलब्धता, यात्रियों की आर्थिक क्षमता और भूमि उपयोग के तरीकों से प्रभावित होती है। यात्रा की अलग-अलग मांगों को ध्यान में रखते हुए ही प्रासंगिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का चुनाव किया जाना चाहिए। एकीकृत प्रणाली सार्वजनिक परिवहन में यात्रियों की संख्या को बढ़ाने में सहायक हो सकती है, और सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में यात्रियों की संख्या बढ़ने से जुड़े सभी सामाजिक लाभ भी इसी से प्राप्त होते हैं।

शहरों में सड़क यातायात को बाधित करने वाली सबसे बड़ी समस्याओं में अव्यवस्थित पार्किंग, चौराहों पर तीन पहिया टैक्सियों का बेतरतीब जमावड़ा और सड़कों पर अतिक्रमण प्रमुख हैं। ये समस्याएँ न केवल यातायात की गति को धीमा करती हैं, बल्कि दुर्घटनाओं और प्रदूषण का कारण भी बनती हैं। वाहनों की गलत पार्किंग के कारण सड़कें संकरी हो जाती हैं, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। कई लोग दुकानों, बाजारों और मुख्य मार्गों पर वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे अन्य वाहन चालकों को परेशानी होती है। इसी प्रकार चौराहों पर ऑटो रिक्शा और ई-रिक्शा चालकों का बिना नियम के खड़ा होना यातायात व्यवस्था को बिगाड़ देता है। यात्रियों की प्रतीक्षा में ये वाहन सड़क के बीचों-बीच रुक जाते हैं, जिससे जाम और अव्यवस्था फैलती है। इसके अतिरिक्त सड़कों पर दुकानदारों द्वारा किया गया अतिक्रमण भी बड़ी समस्या है। फुटपाथों पर सामान फैलाने और सड़क किनारे अवैध निर्माण के कारण पैदल यात्रियों को सड़क पर चलना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसके लिये राजस्थान में शहरवार ट्रैफिक प्रबंधन की समीक्षा जरूरी है, जिसमें अफसरों की जवाबदेही तय हो, पीक आवर्स में पुलिस कर्मियों की फील्ड ड्यूटी सुनिश्चित की जाए तथा अतिक्रमण और गलत पार्किंग पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित हो। साथ ही आधुनिक तकनीक, स्मार्ट सिग्नल प्रणाली और बेहतर सड़क योजना पर भी ध्यान दिया जाना भी उतना ही जरूरी है। अगर अधिकारी सिर्फ दफ्तरों में बैठें और ज़मीन पर निगरानी न करें, तो व्यवस्था नहीं सुधरेगी। फील्ड विज़िट, संवेदनशील चौराहों पर उपस्थिति, डेटा आधारित प्लानिंग और जवाबदेही जरूरी है। अब समय आ गया है कि अफसरों के साथ ट्रैफिक व्यवस्था कागजों से निकलकर सड़कों पर दिखाई दे जिसके लिये सरकार को एक सोची-समझी रणनीति बनानी होगी, ताकि सभी नागरिकों को एक अच्छी गुणवत्ता वाली सार्वजनिक परिवहन प्रणाली मिल सके।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

एमजीआर से थलपति विजय तक: दक्षिण की राजनीति में बरकरार है फिल्मी सितारों का जलवा

"विजय की विजय यात्रा से क्या तमिल राजनीति का नया अध्याय शुरू?"

डॉ. योगेश शर्मा

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार विजय, जिन्हें उनके फ़ैंस 'थलपति' के नाम से जानते हैं, उनकी पार्टी टीवी के (तमिलगा वेट्री कड़गम) ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की डीएमके को भी पीछे छोड़ सबको चौंका दिया है। 108 सीटें जीतकर यह लगभग तय हो गया है कि सरकार विजय की पार्टी के नेतृत्व में ही बनेगी। बहुमत 118 से 10 सीटें कम रहने के बावजूद विजय की असाधारण सफलता की कहानी किसी भी तरह कमज़ोर नहीं पड़ती। इसके साथ ही दक्षिण भारत की राजनीति की वह परंपरा और भी मजबूत होती दिखाई देती है, जहाँ सिल्वर स्क्रीन के नायकों को जनता ने जननायक के रूप में स्वीकार किया है। यह लेख इसी तथ्य को केंद्र में रखता है।

विजय ने फरवरी 2024 में तमिलगा वेट्री कड़गम की घोषणा की और यह स्पष्ट किया कि वे तत्काल लोकसभा चुनाव की राजनीति में नहीं उतरेंगे, बल्कि उनका लक्ष्य 2026 का विधानसभा चुनाव होगा। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति को वे आंशिक काम नहीं मानते, इसलिए सक्रिय राजनीति में आने के बाद अभिनय से दूरी बनाकर पूरी तरह जनसेवा करेंगे। अक्टूबर 2024 में हुई उनकी पहली बड़ी रैली ने यह संकेत दे दिया था कि उनका प्रवेश केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि गंभीर राजनीतिक तैयारी का हिस्सा है। उस रैली में उन्होंने विभाजनकारी राजनीति, वंशवाद, भ्रष्टाचार और द्रविड़ मॉडल के नाम पर सत्ता-संचय की आलोचना की। विजय ने अपनी विचारधारा को द्रविड़ राष्ट्रवाद और तमिल राष्ट्रवाद के संयोजन के रूप में प्रस्तुत किया। उनके अनुसार ये दोनों इस मिट्टी की दो आँखें हैं। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय, समानता, लोकतंत्र, दो-भाषा नीति, महिला सशक्तीकरण और जातिगत जनगणना का समर्थन किया। उन्होंने पेरियार के सामाजिक न्याय और महिला अधिकारों के विचारों को स्वीकार किया, लेकिन नास्तिकता को अपनी पार्टी की अनिवार्य वैचारिक शर्त नहीं बनाया। यह दृष्टिकोण उन्हें पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से जोड़ता भी है और उससे अलग भी करता है।

तमिलनाडु की राजनीति में थलपति विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम का उभार केवल एक अभिनेता के राजनीति में आने की घटना नहीं है, बल्कि यह दक्षिण भारत की लंबी परंपरा का नया अध्याय है। दक्षिण भारत में सिनेमा और राजनीति का संबंध विजय से बहुत पहले शुरू हो चुका था। दक्षिण भारत विशेषकर तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल जैसे राज्यों में सिनेमा सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं रहा है। फिल्में सामाजिक संदेश देने का एक सशक्त माध्यम रही हैं, जहाँ अभिनेता अक्सर असाधारण नायकों के रूप में दिखाए जाते हैं, जो अन्याय के खिलाफ लड़ते हैं और गरीबों की मदद करते हैं जिससे दर्शकों के मन में एक अवचेतन विश्वास बनता है कि उनके पसंदीदा सितारे वास्तविक जीवन में भी बदलाव ला सकते हैं।

एम. जी. रामचंद्रन इस परंपरा के सबसे बड़े प्रतीक थे। वे केवल लोकप्रिय अभिनेता नहीं थे, बल्कि गरीबों के रक्षक और आम आदमी की उम्मीद के रूप में देखे जाते थे। जनता ने उनकी इस छवि पर विश्वास किया। पहले वे द्रविड़ राजनीति से जुड़े, फिर अपनी पार्टी बना। वे अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआई एडीएमके) के संस्थापक थे और 1977 से 1987 तक तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने यह साबित किया कि यदि फिल्मी छवि जनविश्वास में बदल जाए, तो वह सत्ता तक पहुँच सकती है। जयललिता भी एक सफल अभिनेत्री थीं और एम. जी. रामचंद्रन के साथ उनकी जोड़ी जनता में अत्यंत लोकप्रिय थी। एम. जी. रामचंद्रन की मृत्यु के बाद उन्हें पार्टी के भीतर भारी विरोध झेलना पड़ा। कई लोगों ने उन्हें स्वाभाविक उत्तराधिकारी मानने से इनकार किया, लेकिन उन्होंने अपने साहस, राजनीतिक कौशल और दृढ़ता से स्वयं को तमिलनाडु की सबसे शक्तिशाली नेताओं में स्थापित किया। जनता ने उन्हें 'अम्मा' के रूप में स्वीकार किया। छह बार तमिलनाडु की मुख्यमंत्री के रूप में कल्याणकारी राजनीति को भावनात्मक जनसमर्थन से जोड़ा।

तमिलनाडु से बाहर आंध्र प्रदेश में एन. टी. रामाराव ने सिनेमा और राजनीति के संबंध को ऐतिहासिक ऊँचाई दी। मेगास्टार एन. टी. रामाराव ने तेलुगु सिनेमा में कृष्ण, कर्ण और दुर्योधन जैसे पौराणिक पात्रों की भूमिकाएँ निभाकर जनता के मन में लगभग दिव्य स्थान बना लिया था। 1982 में उन्होंने तेलुगु देशम पार्टी बनाई और 'तेलुगु स्वाभिमान' को राजनीतिक आंदोलन में बदल दिया। 1983 के चुनावों से पहले उनकी प्रचार-यात्रा ने दिखाया कि क्षेत्रीय अस्मिता और फिल्मी करिश्मा मिलकर राष्ट्रीय दलों को भी चुनौती दे सकते हैं। वे तीन बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे।

अगला नाम है पवन कल्याण जो वर्तमान दौर के महत्वपूर्ण अभिनेता-राजनेताओं में से हैं। उन्होंने जन सेना पार्टी बनाई और आंध्र प्रदेश की राजनीति में अपनी अलग जगह बनाने की सफल कोशिश की है। जून 2024 से आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत।

हालाँकि दक्षिण भारतीय राजनीति में भी कुछ नाम ऐसे भी रहे, जो सिनेमाई पर्दे पर अत्यंत लोकप्रिय थे, लेकिन राजनीति में उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। चिरंजीवी ने तेलुगु सिनेमा की लोकप्रियता को राजनीति में बदलने का प्रयास किया। उन्होंने प्रजा राज्यम पार्टी बनाई, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिली। शिवाजी गणेशन तमिल सिनेमा के महानतम अभिनेताओं में गिने जाते हैं। लेकिन उनकी राजनीतिक यात्रा फिल्मी जीवन जैसी सफल नहीं रही। कमल हासन ने भी राजनीति में वैकल्पिक रास्ता बनाने की कोशिश की लेकिन मजबूत विचारों और प्रसिद्धि के बावजूद उनकी पार्टी को बड़ी चुनावी सफलता नहीं मिली। करुणास, नेपोलियन और सारथ कुमार जैसे नाम भी इस परंपरा का हिस्सा हैं। इससे

स्पष्ट होता है कि केवल विचार और स्टारडम पर्याप्त नहीं; राजनीति में जमीनी संगठन, सामाजिक गठबंधन और निरंतर जनसंपर्क भी आवश्यक हैं। ये उदाहरण बताते हैं कि सिनेमा राजनीति का प्रवेश-द्वार हो सकता है, लेकिन स्थायी राजनीतिक सफलता अलग प्रकार की मेहनत मांगती है।

मई 2026 में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव परिणामों में अभिनेता विजय के असाधारण उभार ने इस धारणा को और मजबूत किया है कि दक्षिण भारत की राजनीति, उत्तर भारत की राजनीति की तुलना में कई मायनों में अलग प्रकार के सामाजिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक कारकों पर निर्भर करती है। दक्षिण भारतीय सिनेमा की विशेषता यह रही है कि उसने आम आदमी के जीवन को केंद्र में रखा। तमिल और तेलुगु फिल्मों में गाँव, सड़क, बाजार, मजदूर, किसान, जाति, गरीबी, आत्मसम्मान और अन्याय जैसे प्रश्न बार-बार उठे। इसलिए अभिनेता जनता के जीवन से जुड़ता गया। पर्दे का नायक जनता के वास्तविक संघर्षों का प्रतिनिधि बन गया।

दक्षिण भारतीय राजनीति में फिल्मी सितारों की सफलता का एक बड़ा आधार प्रशंसक मंडल या फैन क्लब संस्कृति है। प्रशंसक केवल पोस्टर लगाने या जन्मदिन मनाने तक सीमित नहीं हैं, वे रक्तदान, राहत कार्य, सामाजिक सेवा, स्थानीय नेटवर्क और चुनावी प्रचार तक सक्रिय रहते हैं। इसलिए जब कोई बड़ा अभिनेता राजनीति में आता है, तो उसके पास पहले से एक भावनात्मक और संगठनात्मक आधार मौजूद होता है।

ऐसा नहीं है कि उत्तर भारत की राजनीति में बॉलीवुड नायकों या नायिकाओं को सफलता नहीं मिली। सुनील दत्त, राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन से लेकर हेमा मालिनी और कंगना रनौत तक ऐसे अनेक नाम गिनाए जा सकते हैं, जिन्होंने राजनीति में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। लेकिन अंतर यह है कि बॉलीवुड के अधिकांश अभिनेताओं या अभिनेत्रियों ने राजनीति में आने के बाद भी अपनी फिल्मी पहचान को राजनीतिक व्यक्तित्व से अलग, बल्कि कई बार उससे ऊपर ही बनाए रखा। इसके विपरीत दक्षिण भारत के पर्दे के नायकों ने राजनीति में प्रवेश करने के बाद अपनी निष्ठा, समय, संसाधन, ऊर्जा और सामाजिक पूँजी को बड़े पैमाने पर राजनीति के लिए समर्पित किया। एम. जी. रामचंद्रन, जयललिता और एन. टी. रामाराव इसलिए सफल हुए क्योंकि उन्होंने अपनी छवि को संगठन, विचार, कल्याणकारी राजनीति और जनसंपर्क में बदला। ऐसे में विजय की प्रचंड सफलता के बाद यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे भी दक्षिण भारत की उसी परंपरा को आगे बढ़ाएँगे, जिसमें सिनेमाई लोकप्रियता को जनसेवा, संगठन और वैचारिक राजनीति में रूपांतरित किया जाता है। साथ ही, यह भी माना जा सकता है कि तमिलनाडु की पिछले कई दशकों की द्रविड़ राजनीति अब एक नए अध्याय में प्रवेश कर रही है। इसमें लेशमात्र भी संदेह नहीं कि विजय का उभार केवल एक अभिनेता की चुनावी सफलता नहीं, बल्कि दक्षिण भारतीय राजनीति की विशिष्ट प्रकृति का नया प्रमाण है।

अंततः दक्षिण भारतीय सिनेमा और राजनीति का संबंध केवल ग्लैमर की कहानी नहीं है। यह सामाजिक न्याय, क्षेत्रीय अस्मिता, जातीय समीकरण, सांस्कृतिक गौरव, जननायकवाद और लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का जटिल संगम है। यहाँ जनता केवल दल नहीं चुनती, वह प्रतीक भी चुनती है; केवल नीति नहीं देखती, वह भरोसा भी खोजती है। इसलिए दक्षिण भारत में सिल्वर स्क्रीन की चमक बार-बार सत्ता के गलियारों तक पहुँची है। ऐसे में विजय का उभार इस बात का संकेत है कि तमिलनाडु की जनता अब एक नए चेहरे, नई राजनीतिक भाषा और नए राजनीतिक दावे को सुनने के लिए तैयार दिखाई दे रही है। अंतर यह है कि वे ऐसे समय में राजनीति में आए हैं जब सोशल मीडिया, युवा मतदाता, वंशवाद-विरोध, और वैकल्पिक राजनीति की मांग पहले से अधिक तेज है। यही कारण है कि उनका प्रयोग तमिलनाडु की राजनीति में नया मोड़ ला सकता है। विजय की पार्टी ने पहली चुनावी परीक्षा में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम जैसी परंपरागत शक्तियों को गंभीर चुनौती दी है। इसलिए इसे केवल चुनावी घटना नहीं, बल्कि तमिलनाडु की छह दशक पुरानी द्रविड़ राजनीति के भीतर एक नए जननायक के प्रवेश के रूप में देखा जा सकता है।

-डॉ. योगेश शर्मा,
(लेखक संवैधानिक अध्येता और अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ है।)

प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को इस सेशन में भी छात्रवृत्ति मिलेगी

सत्र 2026-27 में भी सरकार की प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाएं जारी रहेंगी

- **शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुसार, सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को विद्यार्थियों का डेटा अपडेट कर छात्रवृत्ति प्रस्ताव ऑनलाइन भेजने होंगे, ताकि समय पर राशि विद्यार्थियों तक पहुंच सके**
- **शिक्षा विभाग के अनुसार इन योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़कर रखना है**

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। सत्र 2026-27 में भी राज्य सरकार की विभिन्न प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाएं जारी रहेंगी और पात्र विद्यार्थियों को इनका लाभ मिलेगा। इस बार भी विद्यार्थियों को अलग से आवेदन नहीं करना होगा, बल्कि स्कूल स्तर से ही शाला दर्पण पोर्टल के जरिए पूरी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुसार, सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को विद्यार्थियों का डेटा अपडेट कर छात्रवृत्ति प्रस्ताव ऑनलाइन भेजने होंगे, ताकि समय पर राशि विद्यार्थियों तक पहुंच सके। इन योजनाओं में प्री-मैट्रिक स्तर पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 6 से 10 तक छात्रवृत्ति शामिल हैं। इसके अलावा कक्षा 1 से 10 तक सफाई एवं स्वास्थ्य कार्य से जुड़े परिवारों के बच्चों के लिए भी विशेष छात्रवृत्ति योजना संचालित रहेगी। केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत कक्षा 9-10 के ओबीसी, एससी और एसटी विद्यार्थियों को भी लाभ दिया जाएगा। वहीं पोस्ट-मैट्रिक स्तर पर कक्षा 11-12 के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित एससी, एसटी, ओबीसी और आर्थिक पिछड़ा वर्ग और अत्यंत पिछड़ा वर्ग की छात्रवृत्तियां जारी रहेंगी। इसके साथ ही शहीद या दिव्यांग सैनिकों के बच्चों तथा भूतपूर्व सैनिकों की प्रतिभावान पुत्रियों के लिए भी विशेष छात्रवृत्ति योजनाएं लागू रहेंगी।

शिक्षा विभाग का कहना है कि इन योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़कर रखना है, ताकि वे बिना किसी आर्थिक बाधा के अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। इस बार भी पूरी प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया है, जिससे अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके।

जेएनवीयू : पेंशनधारकों का धरना 16वें दिन भी जारी

वि.वि. प्रशासन के सद्बुद्धि के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया

- **सभी ने एक स्वर में कुलगुरु को जयपुर जाकर पेंशन के स्थाई समाधान तथा पेंशन के बकाया राशि के तुरंत भुगतान कर राहत के लिए कहा**

जोधपुर, (कासं)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में पेंशनधारकों का बकाया पेंशन के भुगतान की मांग को लेकर मंगलवार को सोलहवें दिन भी कुलपति कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन जारी रहा। धरना स्थल पर सैकड़ों की संख्या में वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स तथा महिलाएं उपस्थित रही। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विश्वविद्यालय प्रशासन के सद्बुद्धि के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इस पाठ के जरिए ईश्वर से प्रार्थना की गई कि कुलगुरु को सद्बुद्धि दे कि वह जल्दी से जल्दी जयपुर जाकर पेंशन की समस्या के स्थाई समाधान हेतु संबंधित मंत्रियों और उच्च प्रशासनिक अधिकारियों से मिलकर उसका समाधान होने तक वहीं रूक कर आदेश लेकर आएं। इसके लिए सद्बुद्धि यज्ञ भी किया गया।

पेंशनर्स को प्रोफेसर कश्यप धूत, प्रो. पीएम सिंघवी, प्रो. विनीता परिहार, प्रो. रामनिवास शर्मा और अशोक व्यास ने संबोधित किया। सभी ने एक स्वर में कुलगुरु को जयपुर जाकर पेंशन के स्थाई समाधान तथा पेंशन के बकाया राशि के तुरंत भुगतान कर राहत के लिए कहा। धरना स्थल पर पूर्व कुलपति भंवर सिंह राजपुरोहित, प्रो. शरद राजीमवाले, प्रो. अरविंद राय, प्रोफेसर सुशील लालवानी, प्रो. रेनू शर्मा, प्रोफेसर मांगीलाल वडेरा, प्रो. वीएस पलारिया, प्रो. एसके परिहार, दिनेश रामावत, बाबू सिंह, रणवीर सिंह गहलोत, ओम पुरोहित, बीडी जोशी, मदन सिंह, प्रो. अरविंद परिहार आदि पेंशनर्स उपस्थित रहे।

राशिफल बुधवार 6 मई, 2026

पंडित अनिल शर्मा

प्रथम ज्येष्ठ मास (शुद्ध), कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, मूल नक्षत्र दिन 3:54 तक, सिद्ध योग रात्रि 1:12 तक, बालव करण प्रातः 7:52 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मीन, बुध-मेष, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 3:54 तक, कुमार योग प्रातः 7:52 से दिन 3:54 तक है। आज चतुरथी तिथि में वृद्धि हुई है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:06 तक, शुभ 10:45 से 12:23 तक, चर 3:41 से 5:19 तक, लाभ 5:19 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:49, सूर्यास्त 6:58

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

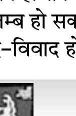

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों से वाद-विवाद हो सकते हैं।

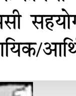

मिथुन

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

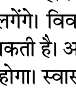

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

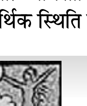

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

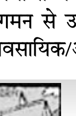

कन्या

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुविधाओं में वृद्धि होगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

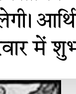

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

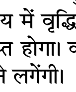

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।

धनु

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में महत्वपूर्ण एवं मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

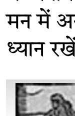

मकर

परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

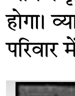

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

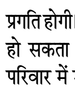

मीन

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 368 प्रभात चूरू, बुधवार 6 मई, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

लंदन से न्यूयॉर्क तथा इस्लामाबाद से ढाका तक अखबार भगवा रंग में रंगे से लगे

सभी जगह भारत में हुए विधानसभा चुनाव का विस्तृत कवरेज हुआ, विशेषकर प.बंगाल में भाजपा की जीत का

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों के पन्नों पर भगवा रंग छाया रहा, जब उन्होंने चार राज्यों और एक केन्द्र शासित राज्य में विधानसभा चुनाव के परिणामों की रिपोर्ट दी। अधिकांश विदेशी मीडिया रिपोर्टों में मुख्य रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल में चुनावी जीत पर ध्यान केन्द्रित किया गया, जिसने तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी के 15 वर्षों के राज्य पर काबिज शासन को समाप्त कर दिया।

- बीबीसी ने प.बंगाल की जीत को मोदी के बारह साल के शासन की सबसे बड़ी राजनीतिक उपलब्धि बताया। बीबीसी के अनुसार, यह तीन बार मुख्यमंत्री बनी ममता बनर्जी की हार ही नहीं, भाजपा की ''इस्टर्न इंडिया'' की यात्रा का गौरवशाली समापन है।
- लंदन के एक और प्रमुख अखबार,''दा गार्जियन'' ने भी प.बंगाल की जीत पर फोकस रखा और इस जीत को विपक्ष का मनोबल तोड़ने और प्रहार के रूप में वर्णित किया।
- न्यूयार्क टाइम्स के लेख के अनुसार, भाजपा की बंगाल की जीत ''ऐतिहासिक'' थी, क्योंकि इसने देश के इस बड़े राज्य में जीत हासिल की है, जहाँ वह पहले कभी भी सरकार बनाने के नज़दीक तक नहीं पहुँची थी।
- वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार, 2024 के आम चुनाव के नतीज़ों ने भाजपा को मजबूर कर दिया था, क्षेत्रीय दलों पर निर्भर होने के लिए। पर, अब मोदी इस जीत के कारण 2029 में चौथी बार प्रधानमंत्री बनने की सोचने लगेंगे।
- पाकिस्तान के डॉन अखबार व ढाका में ट्रिब्युन ने एएफपी की रिपोर्ट को प्रमुखता से छापा और कहा, इस जीत के बाद मोदी के हाथ मजबूत होंगे, इकॉनमिक विदेश नीति की चुनौतियों का सामना करने के लिए।

लंदन से न्यूयॉर्क और इस्लामाबाद से ढाका तक, प्रकाशनों ने तमिल सुपरस्टार जोसेफ विजय को भी प्रमुख स्थान दिया, जिन्होंने केवल दो साल पहले तमिलगा वेत्रि कज़गम (टीवीके) पार्टी लॉन्च की थी और सत्ताधारी द्रविड़ मुनेत्र कज़गम (डी.एम.के.) पार्टी को परास्त किया।

बीबीसी ने अपने कवरेज में विपक्ष के गढ़ पश्चिम बंगाल पर भाजपा के नियंत्रण पर ध्यान केन्द्रित किया। ''मोदीज़ बी.जे.पी. कॉन्कर्स बंगाल, वन ऑफ इंण्यि'ज टफेस्ट पोलिटिकल फ्रंटियर्स'' शीर्षक वाले लेख में ब्रिटिश प्रकाशन ने कहा कि पूर्वी राज्य में भाजपा की जीत मोदी के 12 वर्षों के शासन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल होगी।

लेख में कहा गया, ''यह केवल तीन कार्यकाल वाली वर्तमान मुख्यमंत्री की हार नहीं है, बल्कि पार्टी की पूर्वी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कौन होगा प.बंगाल का मुख्यमंत्री

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के चुनाव के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भाजपा के पर्यवेक्षक होंगे और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी उनके साथ उप-पर्यवेक्षक होंगे, जबकि मंत्रिमंडल 9 मई को शपथ लेगा।

मुख्यमंत्री पद के लिए कई नाम पहले से ही संभावित उम्मीदवारों में शामिल हैं। सुवेन्दु अधिकारी से लेकर

- शुभेन्दु अधिकारी और दिलीप घोष का नाम चर्चा में है। पर, फैसला अमित शाह के हाथों में है, जिन्हें प.बंगाल में केन्द्रीय पर्यवेक्षक भी बनाया गया है।

वरिष्ठ नेता दिलीप घोष तक – मुख्यमंत्री बनने की दौड़ पूरी तरह खुली है।

भाजपा नेताओं ने कहा है कि पार्टी ने दिलीप घोष के नाम को पूरी तरह से खारिज नहीं किया है, जो खरगपुर से जीते हैं, साथ ही राज्य इकाई प्रमुख समिक भट्टाचार्य और उपाध्यक्ष अग्निमित्रा पॉल को भी संभावित मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में माना जा रहा है।

अगर पार्टी महिला मुख्यमंत्री का समर्थन करने का निर्णय लेती है, तो पॉल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, मुझे जनादेश से नहीं, साज़िश से हराया गया है'

प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनौती दी, केन्द्र सरकार संविधान के प्रावधानों के तहत एक्शन ले सकती हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने आज विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी की हार के बाद इस्तीफा देने से इनकार कर दिया। उन्होंने दावा किया कि यह निर्णय जनता का असली मत नहीं, बल्कि एक साज़िश का परिणाम हैं।

उन्होंने टीएमसी की चुनावी लड़ाई को भाजपा के खिलाफ नहीं, बल्कि चुनाव आयोग के खिलाफ बताया, जिसने भाजपा के लिए काम किया। बनर्जी ने मतगणना प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लगभग 100 सीटों पर मत लूटे गए और जानबूझकर गणना धीमी की गई, ताकि उनकी पार्टी का हौसला टूटे।

दृढ़तापूर्वक कहते हुए कि इतिहास का एक काला अध्याय रचा गया है, बनर्जी ने कहा, ''मेरा इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि हम जनता

- ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि इस चुनाव के खलनायक है, ज्ञानेश कुमार। उन्होंने जनता के लोकतांत्रिक अधिकार को लूटा है और ईवीएम को लूटा है, क्या कोई मुझे बता सकता है कि मतदान के बाद भी ईवीएम 80 से 95 प्रतिशत तक कैसे चार्ज थी, यह कैसे संभव है?
- ममता बनर्जी ने कहा, बड़े पैमाने पर उनके पार्टी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया गया, गिरफ्तार किया गया। यही नहीं पूरे प्रशासनिक अमले को बदल दिया गया, ताकि वे मनमानी कर सकें।
- ममता बनर्जी ने कहा, अब वे सारा ध्यान राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के इंडिया गठबंधन को मजबूत बनाने पर देंगी।

के मत से नहीं, बल्कि साजिश के कारण हारे। मैं नहीं हारी, मैं लोक भवन नहीं जाऊंगी। वे संविधानिक नियमों के अनुसार कार्रवाई कर सकते हैं।''

कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, टीएमसी प्रमुख ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों को कमज़ोर करने का आरोप लगाया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जहाँ एसआईआर में सबसे ज्यादा नाम कटे, वहाँ कैसा रहा पार्टियों का प्रदर्शन

प.बंगाल में एसआईआर में वोटर्स का नाम कटना एक बड़ा कारण बताया जा रहा है, भाजपा की जीत का

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। इस साल के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदाताओं का नाम काटा जाना एक बड़ा मुद्दा बनकर सामने आया, वही चुनाव, जिसमें भाजपा ने तृणमूल के गढ़ में धावा बोला और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के 15 साल के शासन का अंत किया।

चुनाव से ठीक पहले, राज्य के 90 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। यह तब हुआ, जब चुनाव आयोग ने मतदाता सूची के लिए एसआईआर का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य मृत और डुप्लीकेट मतदाताओं के रिकॉर्ड को साफ करना था।

तृणमूल ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया लक्षित और पक्षपातपूर्ण थी, और इस बात का डर जताया था कि पार्टी अपना मतदाता आधार खो सकती है। अब जब पार्टी सत्ता खो चुकी है, यह देखने लायक है कि हटाए गए नामों का तालमेल तृणमूल और भाजपा के वोटों के साथ कैसे बैठता है। बंगाल के 147 विधानसभा क्षेत्रों में 25,000 से अधिक नाम हटाए गए।

- एक रिव्यु के अनुसार, जिन 147 सीटों पर 25,000 से ज्यादा नाम काटे गए, उनमें सबसे ज्यादा सीटें (95) भाजपा को मिलीं और तृणमूल को मात्र 51 सीटें मिलीं।
- 67 सीटों पर 15 से 35 हज़ार वोटर्स के नाम कटे, यहाँ भी भाजपा आगे निकली, उसने 47 सीटें जीतीं और तृणमूल को 19 सीटें मिलीं।
- 62 सीटें ऐसी थी जहाँ 5 से 15 हज़ार नाम कटे थे, यहाँ भाजपा 50 सीटें जीतीं, तृणमूल को 12 सीटें मिली और 13 सीटें ऐसी थीं जहाँ 5 हज़ार व उससे कम नाम कटे थे, वे भी भाजपा ने जीतीं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेपी नड्डा होंगे असम में केन्द्रीय पर्यवेक्षक

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। भारतीय जनता पार्टी ने असम में विधायक दल नेता के चुनाव के लिए केन्द्रीय पर्यवेक्षक के रूप में केन्द्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा को नियुक्त किया है, जबकि हरियाणा के

- नड्डा के सहायक के रूप में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को नियुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सह-पर्यवेक्षक होंगे।

हिमंता बिस्वा सरमा, जिन्होंने 10 मई 2021 को अपने पहले कार्यकाल की शपथ ली थी, अब मुख्यमंत्री के रूप में लगातार दूसरा कार्यकाल लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उनके शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने की संभावना है, जो व्यापक जीत के बाद केन्द्र-राज्य की मजबूत साझेदारी को दर्शाता है।

'करतारपुरा नाले की चौड़ाई 32.6 मीटर होगी, नाला भी पक्का होगा'

हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार, जेडीए ने कोर्ट में शपथ पत्र पेश कर कहा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 5 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर के करतारपुरा नाले में अतिक्रमण से जुड़े मामले में दायर जनहित याचिका को जेडीए के जवाब के बाद निस्तारित कर दिया और नाले को मानसून से पहले चौड़ा करने के आदेश दिए। जस्टिस पीएस भाटी और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश राजेन्द्र प्रसाद शर्मा की जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए दिए।

जेडीए की ओर से अधिवक्ता अमित कुड़ी ने अदालती आदेश की पालना में शपथ पत्र पेश किया, जिसमें कहा गया कि करतारपुरा नाला, जो कि 4 किमी लम्बा है, इसकी चौड़ाई 32.6 मीटर रखी जाएगी और जल प्रवाह के दोनों ओर पांच-पांच मीटर का कॉरिडोर बनाया जाएगा। परियोजना का डिजाइन एमएनआईटी के विशेषज्ञों के परामर्श से तैयार किया गया है और इसमें आगामी 100 साल की क्षमता का ध्यान भी रखा

- जेडीए ने यह भी कहा, इस नाले के दोनों तरफ 5-5 मीटर का सुरक्षा कॉरिडोर छोड़ा जाएगा।
- जेडीए की ओर से हाई कोर्ट में कहा गया है कि, इस परियोजना का डिज़ाइन एमएनआईटी के विशेषज्ञों के परामर्श से तैयार कराया गया है और इसमें आगामी 100 साल की क्षमता का ध्यान भी रखा गया है।

गया है। जेडीए की ओर से कहा गया कि इस नाले से गाद हटाकर उसे पक्का किया जाएगा। इसके अलावा वॉटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था करते हुए इसके सीवरेज को द्रव्यवती नदी के एसटीपी प्लांट से जोड़ा जाएगा।

गौरतलब है कि इस मामले की पिछली सुनवाई में ज़ोन-5 के उपायुक्त ने शपथ पत्र पेश कर कहा था कि करतारपुरा नाले की चौडाई 22 से 30 मीटर कर देंगे और उसके अतिरिक्त 10-10 मीटर का सुरक्षा कॉरिडोर दोनों तरफ छोड़ा जाएगा। उनकी ओर से कहा गया था कि 10 मार्च 2025 को नगरीय विकास विभाग ने जेडीए सचिव को पत्र लिखकर अदालती आदेशों के मुताबिक नाले की चौडाई बढ़ाने के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने को कहा था।

भले ही जेडीए ने नाले की चौडाई 30 मीटर के बजाय 32.6 मीटर कर दी है, लेकिन 10-10 मीटर का जो सुरक्षा कॉरिडोर दोनों तरफ छोड़ना था, उसे घटाकर 5-5 मीटर किया है। ऐसे में यह देखना होगा कि हर मानसून में करतारपुरा नाला ओवरफ्लो होने की जो स्थितियां बनती हैं, उनमें कितनी राहत मिलेगी। बताया जा रहा है कि जेडीए के इस नए प्लान के मुताबिक भी करीब 300 स्थायी-अस्थायी अतिक्रमणों को तोड़ा जाएगा। ऐसे में प्रभावित लोग अदालत का भी दरवाजा खटखटा सकते हैं।

जनहित याचिका में अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता योगेश ने बताया कि नाले में जगह-जगह अतिक्रमण हो गया है और नाला पक्का भी नहीं है। अतिक्रमण के कारण कई जगहों पर नाले की चौडाई कम होकर कुछ फीट ही रह गई है। वहीं, उचित व्यवस्था नहीं होने से मानसून में यहां कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। एक युवक कार सहित इसमें बह चुका है। इस दौरान उसकी मौत भी हो गई थी।

गौरतलब है कि पूर्व में जेडीए की ओर से अदालत में रिपोर्ट पेश कर कहा गया था कि नाले की चौडाई तीस मीटर रखने के साथ ही दोनों और दस-दस मीटर का कॉरिडोर रखा जाएगा, जिससे कई लोगों के निर्माण इसकी जद में आ गए थे।

'तमिलनाडु में आम कांग्रेस कार्यकर्ता विजय के पक्ष में था'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। गिरीश चोडणकर, जो तमिलनाडु के लिए कांग्रेस के एआईसीसी इन्चार्ज हैं, ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व का द्रमुक के साथ गठबंधन जारी रखने का निर्णय

- तमिलनाडु में कांग्रेस प्रभारी गिरीश चोडणकर ने कहा कि अगर राहुल गांधी, विजय की पार्टी के साथ गठबंधन करते तो वे 180-190 सीटें जीत सकते थे।

जमीनी स्तर के नेताओं की मजबूत भावना के विपरीत था, कार्यकर्ता अभिनेता विजय की टीवीके (तमिलागा वेत्रि कड़गम) के साथ जाने के पक्ष में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गत लोकसभा में ऐतिहासिक जीत के बाद, गौरव गोगोई जोरहाट में विधानसभा चुनाव क्यों हार गए?

हार का मुख्य कारण था, गौरव गोगोई के बारे में यह चर्चा हो जाना कि वे दिल्ली में संसद में अच्छा काम कर रहे हैं, पर, स्थानीय जनता को समय नहीं दे पाते, संपर्क ढीला पड़ता जा रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। असम में एक प्रमुख मुकाबला जोरहाट निर्वाचन क्षेत्र में हुआ, जहां कांग्रेस के मुख्यमंत्री उम्मीदवार गौरव गोगोई और वरिष्ठ भाजपा नेता हितेन्द्रनाथ गोस्वामी के बीच कडी टक्कर रही।

जोरहाट निर्वाचन क्षेत्र ने चौंकाने वाला निर्णय दिया, जिसमें राज्य कांग्रेस प्रमुख को लगभग 22,000 मतों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

इस परिणाम ने व्यापक राजनीतिक बहस को जन्म दिया, क्योंकि गौरव गोगोई कांग्रेस के एक प्रमुख चेहरे और पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के पुत्र हैं। यह भी याद रखें कि वे तीन बार सांसद रह चुके हैं।

इस बार, कांग्रेस ने गोगोई के लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों में हार का सामना किया, सिवासागर को छोडकर, जहां सहयोगी पार्टी राइजोर दल के प्रमुख अखिल गोगोई जीते।

गौरव की हार के पीछे कई कारण हैं।

मतदाताओं और कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं की एक प्रमुख शिकायत यह थी कि गोगोई तक पहुँच पाना संभव नहीं था। कई लोगों ने महसूस किया कि चुनाव अभियान के दौरान वे पर्याप्त रूप से दिखाई नहीं दिए, जिससे उनकी जमीनी संपर्क शक्ति कमजोर हुई। अपने पिता की विरासत और ''अहोम''

- भाजपा ने भी इस सोच को खूब हवा दी कि गोगोई दिल्ली के लिए उपयुक्त हैं। पर, स्थानीय जनता के लिए ''उपलब्ध'' नहीं हैं।
- गोगोई की तुलना में भाजपा के उम्मीदवार हितेन्द्र नाथ गोस्वामी ने बड़ा शांत अभियान चलाया, जिसमें जोशीली भाषणबाजी व धुंआधार वादों का कोई रोल नहीं था। उन्होंने गोगोई की संसद में भूमिका की सराहना की तथा अपने आपको समर्पित स्थानीय नेता के रूप में प्रस्तुत किया।
- इस चित्रण ने स्थानीय वोटर में गोस्वामी के लिए भारी सहानुभूति जगाई, जो उनकी जीत का प्रमुख कारण बनी।

समुदाय से होने की पहचान पर निर्भरता, जो जोरहाट में अच्छी पकड़ रखता है, उलटा असर डालती दिखी।

भाजपा ने सूक्ष्म रूप से एक नैरेटिव चलाया, जिसमें गौरव को राज्य स्तरीय नेतृत्व से ज्यादा, संसदीय राजनीति के लिए उपयुक्त बताया गया, ताकि मतदाता धारणा प्रभावित हो सके।

भाजपा ने चुनाव को लगातार ''विकास'' बनाम ''विपक्षी अड़चन'' के रूप में प्रस्तुत किया। यह नैरेटिव उन मतदाताओं के बीच प्रभावी रहा, जो विकास की धीमी गति को लेकर चिंतित थे।

पिछले पांच वर्षों में जोरहाट में किए गए दिखाई दे रहे विकास कार्यों ने सत्तारुढ़ पार्टी में जनता का विश्वास सुदृढ़ किया और गोस्वामी के लिए अनुकूल माहौल बनाया।

निर्वाचन क्षेत्र के पुन:निर्धारण के बाद इस विधानसभा क्षेत्र में होलोंगापर पंचायत का शामिल होना भी निर्णायक साबित हुआ। पहले यह क्षेत्र पिछड़ा माना जाता था, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें उल्लेखनीय प्रगति हुई, जिसने मतदाता की प्राथमिकता प्रभावित की।

इन सभी कारणों के ऊपर भाजपा का व्यापक प्रचार अभियान था। घर-घर जाकर किये गये प्रचार और स्थानीय नेतृत्व का समन्वित प्रयास नए जुड़े क्षेत्रों में गहरी पहुँच सुनिश्चित करने में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्कूल व्याख्याता भर्ती 2024 में आरपीएससी ने सवाल का जवाब बदला

जयपुर 5 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्कूल व्याख्याता भर्ती- 2024 के एक प्रश्न की गलत जांच करने से जुड़े मामले में प्रमुख शिक्षा सचिव और आरपीएससी सचिव से जवाब तलब

- हाई कोर्ट ने प्रमुख शिक्षा सचिव तथा आरपीएससी सचिव से जवाब मांगा।

किया है। इसके साथ ही अदालत ने भूगोल विषय के व्याख्याता पद पर दी जाने वाली नियुक्तियों को याचिका के निर्णय के अधीन रखा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने ये आदेश जसवंत सिंह की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि आरपीएससी की ओर भूगोल विषय के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजसमंद : केमिकल से भरा टैंकर पलटा, आग लगने से चालक जिंदा जला

आग बुझाने के बाद पता चल पाया कि टैंकर चालक की जिंदा जलने से मौत हो गई

राजसमंद, (निसं)। जिले के दिवेर थाना क्षेत्र के छापली घाट में फोरलेन सड़क पर केमिकल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया और टैंकर में भीषण आग लग गई। घटना के बाद फोरलेन पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। वहीं सूचना पर दिवेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को कंट्रोल किया। टैंकर में लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। मौके पर राजसमंद, आमेट सहित अन्य जगहों से पांच दमकलों की टीम मौके पर पहुंची और करीब 2 घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, इसके बाद पता चल पाया कि टैंकर चालक की जिंदा जलने से मौत हो गई।

- **चालक उदयपुर से केमिकल से भरा टैंकर अजमेर लेकर जा रहा था, दिवेर थाना क्षेत्र के छापली घाट में फोरलेन पर हादसा हो गया**
- **घटना के बाद फोरलेन पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई, दिवेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को कंट्रोल किया**

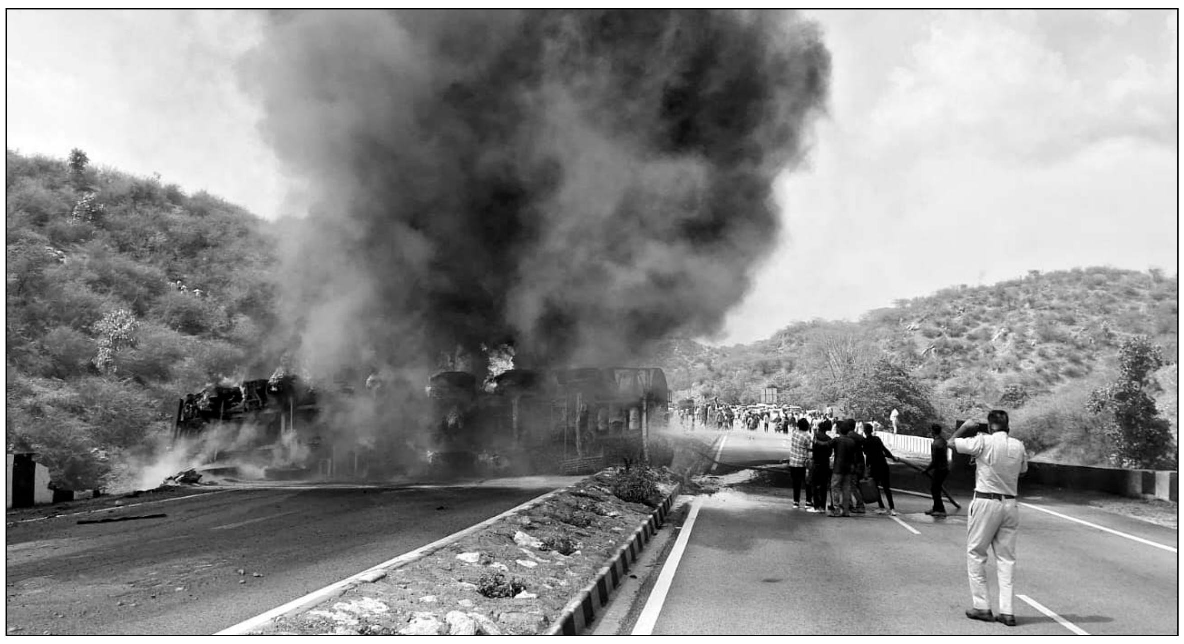

केमिकल से भरे टैंकर में भीषण आग लगने के बाद पांच दमकलों की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार टैंकर चालक गुडली उदयपुर निवासी सोहनलाल डांगी उदयपुर से केमिकल से भरा टैंकर अजमेर लेकर जा रहा था। इस दौरान छापली के घाटे में हादसे का शिकार हो गया। वहीं घटना के बाद फोरलेन पर बाधित यातायात को पुलिस ने एक तरफा कर सुचारु किया, इसके बाद वाहनों की आवाजाही शुरू हो सकी। वहीं दिवेर थाना पुलिस चालक के शव को स्थानीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाकर आगे की जांच शुरू कर दी है, लेकिन टैंकर में लगी आग की घटना के बाद एक समय अफरा-तफरी सा महौल हो गया था। मौके पर बडी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने मौके से क्रेन के माध्यम से क्षतिग्रस्त टैंकर को हटवाकर फोरलेन पर यतायात बहाल करवाया और जांच शुरु कर दी है।

रेलिंग से टकराई पावर बाइक, एम.पी. के युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के डीपीएस-सांगरिया रोड हाइवे पर पावर बाइक सवार युवक आधी रात ढाई बजे तेज गति के कारण अनियंत्रित हो गया। गाड़ी सड़क पर लगी रेलिंग से टकरा गई, जिससे बाइक सवार गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। एंबुलैंस की मदद से उसे एम्स अस्पताल भिजवाया गया, 15 मिनट के अंतराल में मौत हो गई। मां-पिता एमपी से जोधपुर पहुंचे और मामला दर्ज कराया। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने शव को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द किया। मृतक निजी फर्म में नौकरी करता था।

- **जोधपुर में एक निजी कंपनी में काम करता था युवक, इंडिया बुल्स में ही रहता था**

चौहाबो थाने के हैड कांस्टेबल हरेंद्र मेहला ने बताया कि मूलत: मध्यप्रदेश के बैतुल का रहने वाला सौरभ पुत्र सुबोध हलधर यहां जोधपुर में एक निजी कंपनी में काम करता था। वह यहां इंडिया बुल्स में ही रहता था। 2-3 मई की रात ढाई बजे अपनी पावर बाइक से डीपीएस-सांगरिया हाइवे पर निकल रहा था। संभवत : उसकी गाड़ी की गति तेज थी और वह अनियंत्रित होकर सड़क पर लगी रेलिंग से टकरा गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल होने पर उसे एम्स अस्पताल ले जाया गया, मगर कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।

हैड कांस्टेबल हरेंद्र मेहला ने बताया कि वह अविवाहित था और यहां अकेला ही रहता था। घटना के बाद उसके परिजन को सूचना दी गई। वे जोधपुर पहुंचे और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। प्रथम दृष्टया मामला स्वत: रेलिंग से टकराना प्रतीत हुआ है। उसके संभवत : हेलमेट भी नहीं पहना हुआ था। अग्रिम कार्रवाई जारी है।

डूंगरपुर में पारिवारिक विवाद में भाई ने भाई की हत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के निठाउवा थाना क्षेत्र के डूंगलई गांव में एक पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। छोटे भाई ने अपने बड़े भाई की चाकू मारकर हत्या कर दी, जबकि बीच-बचाव करने आई भाभी को भी घायल कर दिया। घायल महिला को सागवाड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

निठाऊवा थाने के सीआई ने बताया कि डूंगलई निवासी देवली ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। देवली ने बताया कि उनके पति कन्हैयालाल कपड़े सिलाई का काम करते थे। घटना के दिन उनकी बेटी पुष्पा और देवर सोहनलाल की पत्नी भुला के बीच बकरियों के लिए चारा गिराने जैसी मामूली बात पर कहासुनी हो गई थी। इस विवाद से नाराज होकर सोहनलाल की पत्नी भुला अपने पीहर चली गई। जब सोहनलाल घर लौटा और उसे अपनी पत्नी के घर छोड़कर जाने का पता चला, तो वह आग बबूला हो गया। गुस्से में वह कन्हैयालाल के घर में घुस गया और चिल्लाने लगा कि उसकी बेटी की वजह से उसकी पत्नी पीहर चली गई है। इसी दौरान सोहनलाल ने अपने भाई कन्हैयालाल के पेट में चाकू मार दिया, जिससे वे लहूलुहान होकर गिर पडे। जब पत्नी देवली अपने पति को बचाने के लिए बीच में आईं, तो सोहनलाल ने उन पर भी चाकू से वार किया। चाकू उनके बाएं हाथ की कोहनी के आर-पार हो गया। घटना के तुरंत बाद दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए निठाउवा ले जाया गया। वहां से गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें सागवाड़ा रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान कन्हैयालाल की मौत हो गई। पुलिस ने देवली की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी सोहनलाल की तलाश में जुट गई है।

अजमेर में महिला नकबजन गिरफ्तार, 20 लाख के जेवर बरामद

पीसांगन क्षेत्र में किरायेदार बनकर रह रही थी महिला

अजमेर, (कासं)। जिले में बढ़ रही चोरी, नकबजनी और लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पीसांगन थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर महिला नकबजन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से 20 लाख रुपए से अधिक मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।

ग्रामीण एएसपी दीपक कुमार ने बताया कि पीसांगन थाना क्षेत्र में 19 अप्रैल को मेवाड़िया गांव निवासी 75 वर्षीय वृद्धा चुका देवी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोर उनके सूने मकान से सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ले गए। 12 अप्रैल को घर लौटने पर मकान के ताले टूटे मिले और सामान बिखरा पड़ा था। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने पुराने अपराधियों का डेटा खंगाला, संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी और तकनीकी विश्लेषण के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। लगातार निगरानी और सूचना संकलन के बाद पुलिस को एक संदिग्ध महिला के बारे में पुख्ता जानकारी मिली। तीन मई को पुलिस को सूचना मिली कि एक महिला पीसांगन क्षेत्र में किरायेदार बनकर रह रही है और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त है। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए महिला को डिटेन कर पूछताछ की। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी महिला ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। आरोपी महिला की निशानदेही पर पुलिस ने प्रतापपुरा रोड स्थित एक सूने मकान से चोरी किया गया सामान बरामद किया। बरामद माल में सोने-चांदी के आभूषण, नकदी राशि सहित अन्य कीमती सामान शामिल है, जिसकी कुल कीमत 20 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है।

- **पीसांगन थाना क्षेत्र में 19 अप्रैल को मेवाड़िया गांव सूने मकान से सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी हुये थे**

कार पर पुलिस का लोगो लगाकर तस्करी कर रहे पंजाब के दो तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिला पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध बड़ी सफलता हासिल की है। जिला विशेष टीम और बिजौलियां थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए एक लग्जरी कार से भारी मात्रा में अवैध अफीम डोडा-चूरा और हथियार बरामद किए हैं। पुलिस ने दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है, जो पंजाब के निवासी हैं।

जानकारी के अनुसार, तस्करों ने पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए अपनी अल्काजार कार पर पुलिस का लोगो लगा रखा था। डीएसटी के एएसआई अशोक कड़वा की सूचना पर थानाधिकारी स्वागत पंड्या ने केसरगंज कट पर नाकेबंदी की। लाडपुरा की ओर से आ रही संदिग्ध कार को जब रोका गया तो तलाशी के दौरान उसमें 13 प्लास्टिक के कट्टों में भरा 246 किलो 620 ग्राम डोडा-चूरा मिला। पकड़े गए तस्कर न केवल मादक पदार्थों की सप्लाई कर रहे थे, बल्कि वे हथियारों से भी लैस थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 1 पिस्टल, 2 मैगजीन और 21 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। जब्त किए गए डोडा-चूरा की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 37 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने तकदीर सिंह (27) निवासी बरनाला, पंजाब और दलजीत सिंह (37) निवासी बरनाला, पंजाब को गिरफ्तार किया।

- **बिजौलियां पुलिस ने 37 लाख का डोडा-चूरा, पिस्टल और 21 जिंदा कारतूस सहित लग्जरी कार जब्त की**
- **पुलिस को अल्काजार कार में 13 प्लास्टिक के कट्टों में भरा 246 किलो 620 ग्राम डोडा-चूरा मिला**
- **पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर तस्करी के नेटवर्क और हथियारों के स्त्रोत का पता लगाने में जुटी**

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशानुसार हुई इस कार्रवाई में थानाधिकारी स्वागत पंड्या, एएसआई सुनील बेनिवाल (विशेष भूमिका), एएसआई अशोक कड़वा (डीएसटी) और साइबर सेल के एएसआई आशीष सहित पूरी टीम का अहम योगदान रहा। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर तस्करी के नेटवर्क और हथियारों के स्त्रोत का पता लगाने में जुटी है।

सीकर में किसान ने आत्महत्या की

सीकर, (निसं)। सीकर जिले के फतेहपुर सदर थाना इलाके के गोड़ियां बड़ा गांव में किसान (42) ने फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। किसान ने अपने ही खेत के पेड़ में फंदा लगाकर जान दे दी। सुबह जब शव को पेड़ पर लटका हुआ देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। फिलहाल शव को धानुका अस्पताल की मोर्च्यूरी में रखवाया गया है। घटना सोमवार देर रात की है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की तह तक जांच में जुटी है। मृतक का नाम सोहनलाल छबरवाल (42) पुत्र शैतान निवासी गोड़ियां बड़ा है, जिसने अपने ही खेत में पेड़ से फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड किया। सुबह परिजनों ने जब शव को पेड़ पर लटका हुआ देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी।

पाकिस्तान से आई डेढ़ किलो हेरोइन, एक किलो अफीम व हथियार बरामद

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर जिले में कार सवार तस्करों ने पुलिस की नाकाबंदी तोड़कर भागने की कोशिश की। इस दौरान तेज रफ्तार कार से सामने खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तस्करों की गाड़ी बंद हो गई। पुलिस ने पंजाब के रहने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनकी कार भी जब्त की है। पुलिस को तस्करों के पास से हेरोइन, अफीम और विदेशी हथियार मिले हैं, जो पाकिस्तान से भेजे गए थे। मामला समेजा कोठी थाना क्षेत्र का का है।

एसपी हरिशंकर ने बताया कि दोपहर करीब दो बजे नशे की खेप और हथियार तस्करी की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस ने समेजा कोठी थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-911 (श्रीगंगानगर से खाजूवाला, बीकानेर) पर भारी नाकाबंदी की थी। ट्रैक्टर-ट्रॉली और बैरिकेडिंग लगाकर सड़क को पूरी तरह बंद कर दिया गया था। इसी दौरान अनूपगढ़ की तरफ से तेज स्पीड में एक लग्जरी कार आती नजर आई। इस कार का पुलिस पीछा कर रही थी।

- **श्रीगंगानगर जिले में कार सवार तस्करों ने पुलिस की नाकाबंदी तोड़कर भागने की कोशिश की थी, पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया**
- **दोनों गिरफ्तार आरोपी पंजाब के रहने वाले हैं, इनके पाकिस्तान और पंजाब के अन्य तस्करों से लिंक की भी जांच की जा रही है**

तस्कर ने रास्ते में ट्रैक्टर-ट्रॉली से नाकाबंदी देखी तो जोरदार टक्कर मारकर आगे निकलने की कोशिश की, लेकिन उनकी गाड़ी रुक गई। गाड़ी रुकते ही दोनों तस्कर उतरकर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने पकड़ लिया। आरोपियों के पास से पाकिस्तान की तरफ से भेजी गई ड्रग्स और हथियारों की खेप बरामद हुई है। खेप में 1.50 किलो हेरोइन, 1 किलो अफीम, 5 विदेशी पिस्टल और 72 राउंड थे। दोनों आरोपी पंजाब के रहने वाले हैं। इनके पाकिस्तान और पंजाब के अन्य तस्करों से लिंक की भी जांच की जा रही है। फिलहाल दोनों आरोपियों से थाने में पूछताछ की जा रही है और नेटवर्क तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। पुलिस इस पूरे अंतरराष्ट्रीय तस्करी रैकेट की परतें खोलने में जुटी हुई है।

अजमेर में तीन भाइयों के सूने मकानों से 15 लाख के जेवर चोरी

ब्यावर में मायरा कार्यक्रम में गए थे सभी परिवारजन, पीछे से चोरों ने मकानों के ताले तोड़े

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर के रामगंज थाना क्षेत्र स्थित सोमलपुर इलाके में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है, जहां अज्ञात चोरों ने एक ही परिवार के तीन सगे भाइयों के सूने मकानों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए। घटना उस समय हुई जब तीनों परिवार सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घरों पर ताला लगाकर बाहर गए हुए थे।

जानकारी के अनुसार सोमलपुर निवासी रफीक खान, शोकीन खान और फिरोज खान अपने-अपने परिवारों के साथ ब्यावर में आयोजित मायरा कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। इस दौरान उनके मकान पूरी तरह सूने पड़े थे, जिसका फायदा उठाते हुए चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। जब तीनों परिवार वापस लौटे तो उनके होश उड़ गए। मकानों के मुख्य दरवाजों के ताले टूटे हुए थे। अंदर जाकर देखा तो कमरों में सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और अलमारियों के ताले भी तोड़े जा चुके थे। जांच करने पर पता चला कि घरों में रखे सोने-चांदी के आभूषण और कीमती सामान चोरी हो चुके हैं। घटना के बाद पीड़ितों ने तुरंत रामगंज थाने पहुंचकर अलग-अलग रिपोर्ट दर्ज करवाई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, तीनों भाइयों को मिलाकर करीब 15 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है, साथ ही इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

- **पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली**

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का खुलासा किया जाएगा। वहीं इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

गुढ़ागौड़जी में प्रस्तावित अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का विरोध, सड़कों पर उतरे व्यापारी

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। गुढ़ागौड़जी कस्बे में मंगलवार को उस समय माहौल गरमा गया, जब स्टेट हाईवे-37 पर प्रस्तावित अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में व्यापारियों ने पूरा बाजार बंद कर प्रदर्शन किया। मुख्य बाजार में सैकड़ों व्यापारी एकत्रित हो गये और धरने पर बैठ गये। वहीं प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई रोकने की मांग उठाई। व्यापारियों ने साफ चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों की अनदेखी की गई तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेश की पालना में स्टेट हाईवे-37 को 80 फीट चौड़ा करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत सड़क के दोनों ओर से 25-25 फीट अतिरिक्त भूमि खाली कराने के लिए 15 दिन का अल्टीमेटम जारी किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि तय समय सीमा में अतिक्रमण नहीं हटाने पर बुलडोजर कार्रवाई की जाएगी और खर्च भी संबंधित लोगों से वसूला जाएगा।

धरनास्थल पर व्यापारियों ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्षों से स्थापित दुकानों और व्यवसायों को बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के हटाना हजारों परिवारों की आजीविका पर सीधा हमला है। व्यापारी प्रतिनिधि प्रदीप कुमावत ने कहा कि अचानक की जा रही इस कार्रवाई से छोटे व्यापारियों का रोजगार पूरी तरह प्रभावित होगा। उन्होंने मांग रखी कि प्रशासन पहले वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराए, उसके बाद ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए।

गुढ़ागौड़जी कस्बे में प्रस्तावित अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में व्यापारियों ने प्रदर्शन किया।

- **व्यापारियों ने मांग रखी कि प्रशासन पहले वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराए, उसके बाद ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए**
- **हाईकोर्ट के आदेश पर 80 फीट चौड़ी होगी स्टेट हाईवे-37, प्रशासन ने 15 दिन का अल्टीमेटम दिया था**

दूसरी ओर प्रशासन का रुख पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप की जा रही है और इसमें किसी भी प्रकार की नरमी संभव नहीं है। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि निर्धारित समय सीमा समाप्त होते ही व्यापक स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी, जिसमें सरकारी निर्माण भी दायरे में आ सकते हैं। बाजार बंद और प्रदर्शन के चलते कस्बे में दिनभर तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। हालांकि प्रशासन ने हालात नियंत्रण में होने का दावा किया है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अमला पूरी तरह सतर्क रहा। स्टेट हाईवे-37 क्षेत्र की प्रमुख सड़क मानी जाती है और बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए इसे चौड़ा करने की योजना बनाई गई है, लेकिन सड़क चौड़ीकरण की इस मुहिम ने अब व्यापारियों और प्रशासन को आमने-सामने ला खड़ा किया है। आने वाले दिनों में यह मुद्दा और गर्माने के संकेत मिल रहे हैं।

पुलिस पर जानलेवा हमला करने के दो इनामी बदमाशों को पकड़ा

झुंझुनूं/गुढ़ागौड़जी, (निसं)। गुढ़ागौड़जी थाना पुलिस ने पुलिस जाप्ते पर जानलेवा हमला कर सरकारी वाहनों को टक्कर मारने और चार सरकारी कर्मचारियों को घायल करने के सनसनीखेज मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच-पांच हजार रुपए के दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में हिस्ट्रीशीटर विरेन्द्र उर्फ कालू और विकास उर्फ विक्की शामिल हैं। मामले में पूर्व में भी दो आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पुलिस के अनुसार यह पूरी वारदात 14 मार्च 2026 को गुढ़ाबावनी के बांडियानाला क्षेत्र में हुई थी, जब पुलिस को सूचना मिली कि हिस्ट्रीशीटर रोहित महला अपने गैंग के साथ किसी बड़ी वारदात की फिराक में मौजूद है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर बदमाशों ने सीधे हमला बोल दिया। मारने की कोशिश- गश्त के दौरान मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर बिना नंबर की बोलेरो पिकअप चढ़ाने का प्रयास किया गया। आरोपी विरेन्द्र उर्फ कालू ने सरकारी वाहन को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि एयरबैग खुलने से पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। इसी दौरान हिस्ट्रीशीटर रोहित महला दूसरी पिकअप लेकर मौके पर पहुंचा और पुलिस जाप्ते को कुचलने की नीयत से वाहन दौड़ा दिया। इस हमले में पुलिसकर्मियों को चोटें आईं। बदमाशों ने मौके से अपने पकड़े गए साथी को छुड़ा लिया और राजकार्य में बाधा पहुंचाई। हमले के बाद भागते समय रोहित महला की गाड़ी अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में घायल होने के बावजूद पुलिस ने उसे दबोच लिया, जबकि उसके अन्य साथी फरार हो गए।

- **सरकारी गाड़ियों को टक्कर मारी थी, चार पुलिसकर्मी घायल हुए थे**

पुलिस का कहना है कि रोहित महला के खिलाफ पहले से 19 आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह आरवी ग्रुप 0038 नाम से गैंग संचालित करता है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न गंभीर धाराओं, पीडीपीपी एक्ट तथा एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपियों पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, पुलिस पर हमला करने, जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत और वृताधिकारी महावीर सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी सुरेश कुमार रोलन के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने लगातार दबिश देकर आरोपी विरेन्द्र झाझड़िया उर्फ कालू निवासी नाटास और विकास स्वामी उर्फ विक्की निवासी गुढ ाबावनी को गिरफ्तार कर लिया।

विधानमंडल समिति प्रणाली को सशक्त बनाने पर जयपुर में मंथन

जून में लोकसभा को रिपोर्ट सौंपेंगी पीठासीन अधिकारियों की समिति

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। देशभर के विधान मंडलों की समिति प्रणाली को अधिक प्रभावी, सक्रिय और एकरूप बनाने के उद्देश्य से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा गठित सात पीठासीन अधिकारियों की उच्च स्तरीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित हुई।

समिति की इस द्वितीय बैठक में नरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम विधानसभाओं के अध्यक्षों ने भाग लिया। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सभी अतिथियों का पारंपरिक राजस्थानी आतिथ्य के साथ स्वागत किया।

बैठक में विधान मंडलों की समितियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए सभी राज्यों में समिति प्रणाली में एकरूपता लाने, समितियों को अधिक प्रभावशाली बनाने, विधायकों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा समितियों की रिपोर्ट पर राज्य सरकारों द्वारा प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।डॉ. देवनानी ने कहा कि समितियां सदन का लघु रूप होती हैं और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि समितियों के कार्यों को अधिक सक्रिय और जवाबदेह बनाने के लिए सुझावों का विस्तृत प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है, जिसे जून माह में लोकसभा अध्यक्ष को प्रस्तुत किया जाएगा।

कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित पीठासीन अधिकारियों की उच्च स्तरीय समिति बैठक को राजस्थान विधानसभाध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी ने संबोधित किया।

बैठक में यह भी विचार किया गया कि समितियों की रिपोर्ट पर सदन में अधिक प्रभावी चर्चा हो तथा संसदीय शोध और जनहित मामलों में उनकी भूमिका को और मजबूत किया जाए। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को राजस्थान की समृद्ध संस्कृति से भी परिचित कराया गया। सारंगी वादन, कच्छी घोड़ी नृत्य और कठपुतली कला प्रदर्शन ने सभी आगंतुकों को प्रभावित किया।

इस उच्च स्तरीय बैठक को देश की संसदीय और विधायी प्रक्रियाओं को अधिक मजबूत, पारदर्शी और जनोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की 5 राज्यों से आए विधानसभा अध्यक्षों के साथ मुलाकात

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में स्पीकर्स से मुलाकात की।

जयपुर। देश के विधान मंडलों की समिति प्रणाली की समीक्षा के लिए गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक में शामिल होने आए विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कॉन्स्टिट्ययूशन क्लब में मुलाकात की। मुख्यमंत्री विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के साथ मध्य प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, उत्तर प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, हिमाचल प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, ओडिशा की विधानसभा अध्यक्ष सूरमा पाढ़ी और सिक्किम के विधानसभा अध्यक्ष मिंगमा नोर्बू शेरपा के सम्मान में आयोजित विशेष भोज में शामिल हुए एवं विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद रहे।

पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता और 2 ठेकेदार रिश्वत लेते गिरफ्तार

ए.सी.बी. ने आरोपियों के कब्जे से 4 लाख 4 हजार रुपए भी बरामद किए

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भीलवाडा जिले के शाहपुरा में अधिशाषी अभियंता को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में दो ठेकेदारों को भी दबोचा गया है।

एसीबी के पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि विभाग में भ्रष्टाचार की लगातार मिल रही सूचनाओं के आधार पर निगरानी रखी जा रही थी। जांच में सामने आया कि अधिशाषी अभियंता शहजाद मोहम्मद ठेकेदारों से उनके द्वारा किए गए कार्यों के भुगतान के एवज में स्वयं के साथ-साथ अधीक्षण अभियंता खेमचंद मीणा के नाम पर भी रिश्वत की वसूली कर रहा था।

एसीबी टीम ने पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन और दो ठेकेदारों को गिरफ्तार किया।

एसीबी अजमेर रेंज के उप महानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरविजन में भीलवाड़ा प्रथम इकाई के उप अधीक्षक पारसमल के नेतृत्व में टीम ने मंगलवार को ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान अधिशाषी अभियंता शहजाद मोहम्मद को कलेक्ट्रेट कार्यालय भीलवाड़ा में ठेकेदार मोडूराम धाकड़ और बनवारीलाल से रिश्वत लेते हुए पकडा गया। टीम ने मौके से 4 लाख 4 हजार रुपए की रिश्वत राशि बरामद की। इस दौरान दोनों ठेकेदारों को भी हिरासत में लिया गया। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अधिकारी ठेकेदारों से संगठित तरीके से 'कलेक्शन' कर रहा था। एसीबी अब इस पूरे नेटवर्क की गहन जांच में जुटी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस मामले में और कौन-कौन अधिकारी या कर्मचारी शामिल हैं। एसीबी अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि जांच के दायरे को और बढ़ाया जाएगा तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभागों में भी हड़कंप मच गया है और भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी की सख्ती का स्पष्ट संदेश गया है।

दस हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल छीनने और मारपीट के मामलों में फरार चल रहे दस हजार रुपए के इनामी बदमाश देवेन्द्र उर्फ लालू (23) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पिछले दो माह से पुलिस की पकड से दूर था। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करन शर्मा ने बताया कि 7 मार्च 2026 को परिवादी विजय सिंधी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि तीन अज्ञात बाइक सवारों ने उनके साथ मारपीट कर मोबाइल छीन लिया। इस संबंध में ब्रह्मपुरी थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीरज पाठक व सहायक पुलिस आयुक्त सुरेंद्र सिंह राणावत के सुपरविजन में ब्रह्मपुरी थानाधिकारी हेमंत जनागल के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी सहायता और खुफिया सूचना के आधार पर आरोपी देवेन्द्र को जयपुर से दबोच लिया।

एएसआई व पूर्व पार्षद दलाल एक लाख रु. रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की डूंगरपुर टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए साइबर पुलिस थाने में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक(एएसआई) मदन लाल एवं उसके लिए दलाली कर रहे पूर्व पार्षद डायालाल पाटीदार को 1 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि डूंगरपुर एसीबी को एक परिवाद प्राप्त हुआ था। जिसमें आरोप लगाया गया कि एएसआई मदन लाल ने परिवादी को धोखाधडी के एक मामले में डराते हुए उसकी बेटी और जमाई को गिरफ्तार करने की धमकी दी। आरोप था कि मामले से बेटी और जमाई का नाम हटाने तथा परिवादी को राहत दिलाने के बदले रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत का सत्यापन 5 मई को कराया गया। जिसमें सामने आया कि दलाल के रूप में डायालाल पाटीदार (पूर्व पार्षद) के माध्यम से 1 लाख रुपए की रिश्वत लेने पर सहमति बनी। इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाते हुए ट्रैप कार्रवाई की। उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में पुलिस उप अधीक्षक रतन सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए मंगलवार को जैसे ही दलाल डायालाल पाटीदार ने एएसआई मदन लाल के लिए परिवादी से एक लाख रुपये की राशि ली। उसी दौरान एसीबी की टीम ने उसे दबोच लिया। इसके साथ ही आरोपी सहायक उप निरीक्षक को भी गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी मदनलाल और डायालाल पाटीदार।

93 प्रतिशत रहा शेखावत का स्ट्राइक रेट

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने 28 सीटों पर प्रचार किया, 26 पर भाजपा जीती

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जोधपुर सांसद और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने उत्तरी बंगाल में भाजपा की जीत की पटकथा लिखी। शेखावत ने 15 दिन लगातार कैंप कर 28 सीटों पर सघन प्रचार की कमान संभाली और पार्टी को 26 सीटों पर विजय दिलाई। उनका स्ट्राइक रेट 93 प्रतिशत रहा। खास बात यह है कि सभी सीटों पर पार्टी प्रत्याशी बड़े अंतर से जीते, जो पश्चिम बंगाल में पार्टी के प्रदर्शन का निर्णायक आधार बना।

केंद्रीय मंत्री शेखावत को पार्टी नेतृत्व ने कूचबिहार, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी जैसे रणनीतिक जिले का जिम्मा सौंपा था। यह इलाका सीमावर्ती होने के कारण राजनीतिक और सुरक्षा, दोनों लिहाज से संवेदनशील माना जाता है।

■ कई सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों की जीत का अंतर 70 हजार वोटों से अधिक रहा

लगातार जमीनी डेरा डालकर शेखावत ने स्थानीय समीकरणों को साधा और मतदाताओं के मुद्दों को सीधे चुनावी नैरेटिव में बदला। शेखावत ने डोर टू डोर कैंपेनिंग के अलावा रोड शो, नुक्कड़ सभाएं, कार्यकर्ताओं के साथ रणनीतिक बैठकें कीं। बूथ मैनेजमेंट को मजबूत किया। मारवाडी समुदाय समेत प्रभावशाली सामाजिक समूहों को साधकर एक व्यापक समर्थन आधार खड़ा किया।

2021 के विधानसभा चुनाव में शेखावत के आक्रामक और परिणामोन्मुखी अभियान को देखते हुए ही पार्टी ने उन्हें दोबारा यह जिम्मेदारी दी थी। इस बार उन्होंने इसे नतीजों में तब्दील कर दिया। 26 सीटों पर जीत का अंतर सामान्य नहीं, बल्कि रिकॉर्ड स्तर का रहा। माटीगाड़ा-नक्सलबाडी में 1,04,265 वोटों की बढ़त, डाबग्राम-फुलबाड़ी में 97,715, सिलीगुड़ी में 73,192, अलीपुरद्वार में 70,420 और कूचबिहार उत्तर में 70,384 वोटों से जीत के आंकडे बताते हैं कि मुकाबला एकतरफा था।

जलपाईगुड़ी (68,805), माथाभांगा (57,090), मयनागुड़ी (56,503) और कुमारग्राम (52,877) जैसी सीटों पर भी भाजपा प्रत्याशियों ने 50 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। मदारीहाट, फांसीदेवा और फालाकाटा में भी जीत का अंतर 40 हजार से ऊपर रहा, जो संगठनात्मक पकड और वोट ट्रांसफर की सटीकता को दिखाता है। केंद्रीय मंत्री शेखावत की रणनीति सिर्फ रैलियों तक सीमित नहीं रही। उन्होंने सीमावर्ती इलाकों की समस्याओं, जैसे सुरक्षा, घुसपैठ, विकास और पहचान को सीधे मतदाताओं के बीच उठाया।

जल संसाधन के निर्माण कार्यों में अनियमितता पर 3 अभियंता निलम्बित

जयपुर। जल संसाधन की महत्वपूर्ण परियोजनाओं के कार्यों में मानक सामग्री का उपयोग नहीं पाए जाने पर 3 अभियंताओं को निलम्बित किया गया है। साथ ही, 3 अभियंताओं को चार्टशीट दी गई है। विभाग अब इन मामलों में दोषी संवेदकों के खिलाफ की कार्रवाई करेगा।

जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता (प्रशासन) ने 5 मई को आदेश जारी किया है। इसमें दायीं मुख्य नहर सीएडी चम्बल कोटा में चल रहे निर्माण कार्यों में अनियमितता पाए जाने पर दायीं नहर उपखंड सीएडी अंता के कनिष्ठ अभियंता नेमीचंद बैरवा, सोनू कुमार गोचर और दीपक चौधरी को निलम्बित किया गया है। इसके साथ ही, दायीं मुख्य नहर खंड द्वितीय सीएडी चम्बल कोटा के अधिशाषी अभियंता हेमराज मीणा, सहायक अभियंता एवं तकनीकी सहायक नरेश मालव और दायीं नहर खंड सीएडी चम्बल अंता के सहायक अभियंता अमित कुमार बोहरा पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रारंभ की गई है।

पिता ने नाबालिग बेटी को मोहरा बनाकर दर्ज कराया पॉक्सो का मामला

जयपुर । पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर द्वितीय ने पॉक्सो से जुडे मामले में आरोपी मनोज कुमार को बरी करते हुए कहा है कि पिता ने अपनी नाबालिग बेटी को मोहरा बनाकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

यदि वास्तव में पीडिता के साथ अपराध होता तो पीडिता की मां को जानकारी होने के बाद वह रिपोर्ट दर्ज कराती। इसके अलावा परिवादी पक्ष की ओर से पूर्व में भी एक व्यक्ति को दुष्कर्म प्रकरण में फंसाने के बाद पक्षद्रोही होने का मामला सामने आया है। मामले में एफआईआर तीन माह बाद दर्ज कराई गई और पीडिता के बयान भी विश्वसनीय प्रकृति के नहीं पाये जाते हैं।

आरोपी के वकील नाथू सिंह चौहान ने बताया कि पीडिता के पिता ने 16 मार्च, 2022 को पुलिस कमिश्नर को रिपोर्ट दी थी कि 8 दिसंबर, 2021 को वह ड्यूटी से घर लौटा तो उसकी पत्नी व बेटी नहीं मिली। उसे पता चला कि वह मनोज के साथ रह रही है। जब वह उन्हें लेने गया तो उसकी बेटी ने बताया कि आरोपी उसके साथ अश्लीलता करता है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। जहां पीडिता ने भी आरोप दोहराए। वहीं बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि पूर्व में पीडिता की मां ने एक व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। जिसमें नौ लाख रुपए लेकर राजीनामा किया गया।

पीडिता की मां और शिकायतकर्ता पिता के बीच झगड़ा होता था। जिसके कारण वह पीडिता के साथ अलग रहती थी और मनोज भी साथ रहता था। इस कारण उसने नाबालिग को मोहरा बनाकर एफआईआर दर्ज करा दी।

700 से अधिक असामाजिक तत्व गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पूर्व जिला पुलिस ने अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए चलाए गए तीन दिवसीय विशेष एरिया डोमिनेशन एवं ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत 700 से अधिक असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर यह विशेष अभियान चलाया गया। अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई।

पतंजलि अनुसन्धान संस्थान और सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया के बीच एमओयू

भारत में विद्यमान असीम संभावनाओं को विश्व पटल पर स्थापित करने का सामर्थ्य है पतंजलि के पास : आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वार। वैश्विक स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान और विशेष रूप से समठा स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पतंजलि अनुसंधान संस्थान और ऑस्ट्रेलिया की सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए है। यह समझौता ज्ञापन कल नई दिल्ली स्थित ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग में संपन्न हुई वार्ता के ही आगे की कार्यवाई के अंतर्गत किया है।

यह साझेदारी दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक साक्ष्य-आधारित सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक निर्णायक पहल है, जो पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय को वैश्विक मंच पर स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के समन्वय में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी, जो ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में स्थित एक प्रतिष्ठित शैक्षिणक एवं अनुसंधान संस्थान है, इस साझेदारी के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पतंजलि अनुसंधान संस्थान और सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी में एमओयू हुआ।

यह सहयोग न केवल दोनों संस्थानों की विशेषज्ञता को एक मंच पर लाएगा, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान के लिए भी एक सशक्त आधार तैयार करेगा।

उन्होने कहा कि आयुर्वेद केवल एक उपचार पद्धित नहीं, बल्कि जीवन जीने का विज्ञान है और जब इस पारंपरिक ज्ञान का आधुनिक अनुसंधान से समन्वय होता है, तब उसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। पतंजलि के पास भारत में विद्यमान असीम संभावनाओं को विश्व पटल पर स्थापित करने का सामर्थ्य है और यह वैश्विक सहयोग उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

■ यह समझौता ज्ञापन सनातन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के मध्य एक सेतु : प्रोफेसर बेन रॉश

■ अंतरराष्ट्रीय सहयोग ही आधुनिक शिक्षा और अनुसंधान की आधारशिला : प्रोफेसर जॉन वार्डल

समझौता ज्ञापन समारोह में सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी के प्रो-वाईस-चांसलर (रिसर्च एंड एजुकेशन इम्पैक्ट) प्रोफेसर बेन रॉश कहा कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य अनुसंधान, शिक्षण और छात्र-आदान-प्रदान जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को प्रोत्साहित करना है।

इसके अंतर्गत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाले विषयों पर अनुसंधान करेंगे। यह समझौता ज्ञापन सनातन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के मध्य एक सेतु का कार्य करेगा।

सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी के नेशनल सेंटर फॉर नैचुरोपैथिक मेडिसिन के फाउंडेशन डायरेक्टर प्रोफेसर जॉन वार्डल ने आगे बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थान साझा अनुसंधान परियोजनाओं का विकास करेंगे, सरकारी अनुदान के लिए संयुक्त आवेदन करेंगे और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध प्रकाशनों को बढ़ावा देंगे। पतंजलि प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करना ही समय की आवश्यकता है।

सहकारिता मंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया

जयपुर । सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने मंगलवार को जयपुर स्थित राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) में आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे राज्य सेवाओं (सहकारिता, जेल, उद्योग एवं श्रम कल्याण) के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर जोर दिया।

दक ने कहा कि सहकारिता आंदोलन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसके माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक आर्थिक सशक्तीकरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक तकनीक एवं नवाचारों के माध्यम से और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से आ ान किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए पारदर्शिता, ईमानदारी एवं जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

दक ने अधिकारियों से जन-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने तथा योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाने का आ ान किया।

दलित इंजीनियर को न्याय देने के बजाय फुटबॉल बना रहा सिस्टम : जूली

■ नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया कि ''यह कैसे सुनिश्चित किया जाएगा कि बैरवा पर कोई दबाव न डाला जाए और जांच पूरी तरह से निष्पक्ष हो, क्योंकि मामला सत्ताधारी दल के विधायक से जुड़ा हुआ है?''

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य की भाजपा सरकार को घेरते हुए दलित उत्पीडन और प्रशासनिक विफलता पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। जूली ने कहा कि प्रदेश में दलित इंजीनियर जगनलाल बैरवा को अभी तक न्याय नहीं मिला है। पीड़ित को इंसाफ दिलाने के बजाय भाजपा विधायक, जिला कलेक्टर और सीएमओ के बीच इस प्रकरण को फुटबॉल की तरह घुमाया जा रहा है।

उन्होंने सवाल किया कि आखिर कब तक दलित समाज को न्याय के लिए तरसना पड़ेगा? जूली ने सरकार से सवाल किया है कि यह कैसे सुनिश्चित किया जाएगा कि बैरवा पर कोई दबाव न डाला जाए और जांच पूरी तरह से निष्पक्ष हो क्योंकि मामला सत्ताधारी दल के विधायक से जुड़ा हुआ है ?

जूली ने कहा कि बताया जा रहा है कि एक हाईलेवल कमेटी इस मामले की जांच कर रही है, लेकिन बडा सवाल यह है कि यह जांच कब पूरी होगी? सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जब बगैर जांच के श्री बैरवा को पुलिस के हवाले कर दिया गया था, तो अब इंजीनियर मीणा के मामले में इतनी देरी क्यों? क्या इस सिस्टम से एक दलित इंजीनियर को निष्पक्ष न्याय मिल पाएगा? यह मौजूदा सरकार के दलित विरोधी चेहरे को उजागर करता है

नेता प्रतिपक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि आज राजस्थान में पंचायत और स्थानीय निकायों के चुनाव समय पर न कराना भाजपा की हार के डर को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, ''भाजपा का हाल ऐसा है कि घर में नहीं दाने, अम्मा चली भुनाने।'' प्रदेश में चुनाव न होने से लोकतान्त्रिक संस्थाएं ठप पड़ी हैं, विकास कार्य रुके हुए हैं, लेकिन सरकार अपनी विफलता पर पर्दा डालने के लिए बाहरी राज्यों के जश्न में डूबी है।

जो सरकार अपने राज्य के भीतर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पूरा करने का साहस नहीं जुटा पा रही, वह किस मुँह से जश्न मना रही है।

सार-समाचार

भाजपा देहात मण्डल की बैठक सम्पन्न

नोहर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी देहात मंडल की महत्वपूर्ण मासिक बैठक आज मटोरिया भवन में आयोजित की गई। मंडल अध्यक्ष राकेश पूनिया की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में संगठन की सक्रियता और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। वरिष्ठ पदाधिकारियों का रहा सान्निध्य बैठक में मुख्य रूप से मंडल प्रभारी उत्तम सिंह और मंडल सहयोगी बसंत तिवारी उपस्थित रहे। उनके साथ ही देवीलाल सहारण, सुभाष ढाका, रोहित गोदारा, पिरथी सहू, रामनिवास, विनोद और रामजीलाल सहित मंडल के कई प्रमुख पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु संगठन की आधारभूत इकाई बूथ को मजबूत करना रहा। चर्चा के दौरान महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमें बूथ संरचना के लिए प्रत्येक बूथ पर सक्रिय कार्यकर्ताओं की टीम को और अधिक प्रभावी बनाने पर विचार किया गया। शक्ति केंद्र के लिए शक्ति केंद्रों के प्रभारियों के साथ समन्वय स्थापित कर जमीनी स्तर पर पार्टी की पहुंच बढ़ाने की रणनीति तैयार की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक बूथ पर बूथ संयोजकों की नियुक्ति को लेकर गंभीर विमर्श हुआ और नामों पर सहमति बनी। कार्यकर्ताओं को दिए गए निर्देश अध्यक्षीय संबोधन में राकेश पूनिया ने कहा कि संगठन की शक्ति उसके कार्यकर्ताओं में निहित है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आव्हान किया कि वे केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुँचाने का कार्य करें। बैठक के अंत में मंडल प्रभारी उत्तम सिंह ने आगामी कार्यक्रमों की सफलता के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर कार्य करने का मंत्र दिया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया

झुंझुनूं (निसं)। पश्चिम बंगाल में 74 वर्षों बाद भगवा परचम लहराने को भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक राजनीतिक उपलब्धि मान रही है। प्रधानमंत्री की आक्रामक चुनावी रणनीति, बूथ स्तर तक की मजबूत मैनेजमेंट प्रणाली और समर्पित कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत ने ममता बनर्जी के लंबे समय से मजबूत माने जा रहे राजनीतिक किले में सेंध लगाने का काम किया। देशभर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा इस जीत का उत्सव मनाया जा रहा है, लेकिन झुंझुनूं भाजपा में यह विजय उत्सव अब संगठनात्मक अनुशासन और अंदरूनी खींचतान पर गंभीर सवाल खड़े करता दिखाई दे रहा है। जिला मुख्यालय पर सोमवार शाम को आयोजित विजय उत्सव के दौरान जिस प्रकार अधिकृत सूचना तंत्र को नजरअंदाज कर अलग-अलग स्तरों से सोशल मीडिया और समाचार पत्रों तक प्रेसनोट भेजे गए, उसने भाजपा के अंदर चल रही गुटबाजी और समन्वयहीनता को सार्वजनिक कर दिया है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यदि संगठन के अधिकृत मीडिया प्रभारी की भूमिका को ही कमजोर किया जाएगा, तो फिर संगठनात्मक अनुशासन की बात केवल भाषणों तक सीमित रह जाएगी। सूत्रों के अनुसार भाजपा जिलाध्यक्ष द्वारा विजय उत्सव की आधिकारिक सूचना जारी करने के लिए जिला मीडिया प्रभारी को अधिकृत माना गया था, लेकिन इसके बावजूद कई अन्य पदाधिकारियों और समानांतर समूहों द्वारा अलग-अलग तरीके से सूचना प्रसारित की गई। इससे न केवल संगठन के भीतर अधिकारों के टकराव की स्थिति बनी, बल्कि यह संदेश भी गया कि जिले में पार्टी का सूचना तंत्र कई हिस्सों में बंट चुका है। भाजपा की बंगाल विजय को लेकर जहां कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया।

दुजोद में ऋण कैंप का आयोजन

सीकर, (निसं)। जिला कलेक्टर आशीष मोदी के आदेशानुसार नगर परिषद सीकर वरिष्ठ आयुक्त शशिकांत शर्मा के निर्देशानुसार पी एम स्वनिधी प्रभारी सचिव नगर परिषद पुनम महला के नेतृत्व में प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के अंतर्गत ग्राम दुजोद स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा में विशेष ऋण कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना रहा। कैंप के दौरान योजना के तहत प्रथम किस्त के रूप में 15,000 के ऋण के लिए पात्र आवेदकों के फॉर्म मौके पर ही भरवाए गए व चैक वितरण भी किया तथा उन्हें योजना की पूरी जानकारी भी प्रदान की गई। बैंक अधिकारियों एवं नगर परिषद टीम द्वारा लाभार्थियों को आवश्यक दस्तावेजों, पात्रता एवं प्रक्रिया के बारे में विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। कैंप में अग्रणी जिला प्रबंधक नंदलाल,ग्राम दुजोद पंजाब नेशनल बैंक वरिष्ठ शाखा प्रबंधक ललित लाखिवाल,जिला परियोजना अधिकारी जगदीश सिंह जाखड़, अरुण पारीक, लक्ष्मीकांत शर्मा, आदर्श पुनिया इस अवसर पर उपस्थित रहें। वरिष्ठ आयुक्त शशिकांत शर्मा ने बताया कि पीएम स्वनिधी योजना के माध्यम से छोटे व्यापारियों एवं रेहड़ी-पटरी संचालकों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

जुआ खेलते दो जने गिरफ्तार

बुहाना/झुंझुनूं (निसं)। जिले के बुहाना थाना पुलिस ने अवैध जुए के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ताश-पत्तियों पर रुपये दांव लगाकर जुआ खेलते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 12 हजार 470 रुपये की जुआ राशि एवं जुआ सामग्री भी जब्त की है। पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर आईपीएस के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत आरपीएस के मार्गदर्शन तथा वृताधिकारी नोपाराम भाकर के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। थाना अधिकारी बिमला बुडानियां के नेतृत्व में गठित टीम ने 4 मई को मिली सूचना के आधार पर बणी बुहाना क्षेत्र में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ताश-पत्तियों पर रुपये दांव लगाकर जुआ खेलते कमल सिंह पुत्र चन्द्राराम निवासी भिर्र तथा जगवीर पुत्र रामवतार निवासी सीमनी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से 12,470 रुपये नकद एवं जुआ खेलने में प्रयुक्त सामग्री बरामद की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार्रवाई में सुरेन्द्र कुमार, हेमराज, धर्मपाल, सुशील कुमार, महेश कुमार एवं सोमवीर सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही।

भव्य छतरी का लोकार्पण

पाटन (निसं)। सावलपुरा तंवरान स्थित अविनाशी धाम पर इंदाराम पटेल की स्मृति में उनके सुपुत्र गोपाल, बजरंग एवं शम्भूदयाल गुर्जर (मास्टर) द्वारा एक भव्य छतरी का निर्माण करवाया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में भाजपा नेता, समाजसेवी एवं भामाशाह दौलतराम गोयल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान उनका शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। अपने संबोधन में दौलतराम गोयल ने कहा कि अविनाशी धाम क्षेत्र का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है और यहां पक्षियों के लिए चुग्गा तथा यात्रियों को छाया उपलब्ध कराने हेतु छतरी का निर्माण एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि इस कार्य से इंदाराम पटेल की स्मृति को चिरस्थायी बनाया गया है। समारोह में सावलपुरा तंवरान के सरपंच मामराज गुर्जर, घनश्याम जाखड़, रामकुमार जाट, बनवारी गुर्जर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की, जिससे पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा।

कांग्रेस कमेटी की बैठक आज

चूरू (निसं)। शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष असलम खोखर ने बताया कि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार संगठन बढाओ लोकतंत्र बचाओं अभियान के तहत चूरू जिला कांग्रेस कमेटी व चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक चूरू जिला अध्यक्ष व सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल की अध्यक्षता में 06 मई 2026 को प्रातः 10 बजे चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में आयोजित की जायेगी। बैठक में चूरू सांसद राहुल कस्वां, तारानगर विधायक नरेन्द्र बुडानिया, चूरू जिला प्रभारी व फतेहपुर विधायक हाकम अली खान, सरदारशहर विधायक अनिल शर्मा, रतनगढ विधायक पुसाराम गोदारा, पीसीसी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया, चूरू जिला सह प्रभारी दिनेश कस्वां भी बैठक में उपस्थित रहेंगे।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

सीकर, (निसं)। मुख्य न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार राज्य के स्कूली किशोरों को विधिक अधिकारों, कर्तव्यों एवं समसामयिक सामाजिक-कानूनी मुद्दों के प्रति जागरूक करने के लिए संचालित राज्यव्यापी फ्लैगशिप कार्यक्रम के अंतर्गत अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीकर रूपा गुप्ता के मार्गदर्शन में तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीकर शालिनी गोयल द्वारा 5 मई 2026 को साइबर सुरक्षा जागरूकता, संरक्षण एवं न्याय तक समावेशी पहुंच विषय पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भढाढर, लक्ष्मणगढ़ (सीकर) में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

‘सामाजिक न्याय एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है प्रदेश सरकार’

■ मंत्री अविनाश गहलोत ने चूरू विधानसभा क्षेत्र के सहनाली छोटी में ग्राम रथ अभियान कार्यक्रम में की शिरकत, ग्रामीणों से संवाद किया

चूरू (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने मंगलवार को चूरू विधानसभा क्षेत्र के सहनाली छोटी में ग्राम रथ अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर ग्रामीणों से संवाद कर प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी दी और विकसित राजस्थान की संकल्पना को साकार करने की दिशा में आमजन के सुझाव प्राप्त किए।

इस दौरान विधायक हरलाल सहारण, राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार नायक, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, एसपी निश्चय प्रसाद एम, सीईओ श्वेता कोचर, बसंत शर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारियों ने भी शिरकत की। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सामाजिक न्याय एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश सरकार समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाकर विकसित समाज व विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार कर रही है। इसी क्रम में पात्र व वंचित व्यक्तियों ग्राम रथ अभियान के माध्यम से इन योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक पहुंच रही है, जिससे पात्र लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास योजनाएं नए आयाम स्थापित कर रही हैं।

उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन, खाद्य सुरक्षा योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, अटल ज्ञान केंद्र, सहित प्रदेश सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि ग्राम रथ अभियान सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की प्रत्येक नागरिक तक पहुंच बनाने का प्रभावी माध्यम है। इस रथ के माध्यम से सरकार की 13 विभागों की विभिन्न योजनाओं की जानकारी किसान, महिला, युवा, मजदूर तक पहुंच रही है। सभी नागरिक इन रथों से जानकारी प्राप्त कर राज्य व केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं और परिवेश के अन्य लोगों को भी जागरूक करें।

जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने जिले में विभागीय योजनाओं की क्रियान्विति व गतिविधियों की जानकारी देते हुए ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) 2026 में सक्रिय भागीदारी का आ ान किया। इस अवसर पर एसडीएम सुनील कुमार, एसीईओ भागचंद खारिया, विकास अधिकारी कैलाश पचारिया, दीनदयाल सैनी, सुशील लाटा, सुनील ढाका, कैलाश, महेंद्र सिहाग, मनोहर लाल शर्मा, लालसिंह, सुमेर सिंह, पीरुराम, रिछपाल, रामकुमार, नवाब खां, हीरालाल खीचड़ सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी व आमजन उपस्थित रहे। संचालन कुलदीप शर्मा ने किया।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत व अतिथियों ने लाभार्थियों को नरेंद्र, दयानंद आदि किसानों को फार्मर एग्रीस्टेक आईडी प्रदान की तथा मानसिंह, मांगू सिंह, दशरथ सिंह, महमूद अली आदि को सहायक अंग उपकरण वितरित किए। इसी के साथ जगराज सिंह, डेड राम प्रजापत, पृथ्वी सिंह, संतलाल, राम सिंह, प्रीतम सिंह, पवन कुमार, महेंद्र कुमार, राकेश कुमार, रामरख, हरदत राम, बनवारी लाल, लालचंद, जमना देवी, भंवरलाल, दीवान सिंह, राजूराम, राधेश्याम, तीजा देवी, सांवताराम, गोपीराम, दशरथ सिंह, अर्जुन राम, रेवंतराम, हरिराम, माया देवी, बजरंग लाल, मूलाराम, आरती देवी, इंद्राज, मुंशी खान, विक्रम सिंह सहित अन्य प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान कला जत्था लीडर दिलीप के नेतृत्व में लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी।

मारपीट मामले में फरार वारंटी गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। पुलिस टीम ने मारपीट के मामले में पिछले 6 माह से फरार चल रहे और टॉप-1० की सूची में शामिल स्थाई वारंटी श्रवण कुमार (48), निवासी रावतसर कुंजला तहसील राजगढ जिला चूरू को गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी राय सिंह सुथार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी श्रवण कुमार (48), निवासी रावतसर कुंजला, तहसील राजगढ जिला चूरू वर्ष 2020 में हमीरवास थाने में दर्ज मारपीट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था। बार-बार बुलाने के बावजूद वह न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था, जिसके बाद माननीय न्यायालय ने उसके खिलाफ स्थाई वारंट जारी किया था। पुलिस ने उसे थाने के टॉप-1०वांछित अपराधियों की श्रेणी में रखा था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रिछपाल सिंह और सहायक पुलिस अधीक्षक अभिजीत पाटिल के सुपरविजन में थानाधिकारी रायसिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था।

जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में 26 पदक जीते

श्री ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने जिले की खेल प्रतियोगिताओं में सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया।

चूरू (निसं)। स्थानीय श्री ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने जिले की खेल प्रतियोगिताओं में सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। हाल ही में संपन्न हुई 7 वीं जिला स्तरीय योगासन चैंपियनशिप और जिला एथलेटिक्स सीनियर चैंपियनशिप में संस्थान के ब्रह्मचारियों ने कुल 26 पदक जीतकर आश्रम का नाम रोशन किया है। जिला योगासन संघ द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में ऋषिकुल के ब्रह्मचारियों ने अपनी शारीरिक और मानसिक एकाग्रता का लोहा मनवाया।

संस्थान के खिलाड़ियों ने विभिन्न श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 09 स्वर्ण पदक, 05 रजत पदक, 10 कांस्य पदक सहित कुल 24 पदक अपने नाम किए। जिला एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में आयोजित सीनियर पुरुष और महिला चैंपियनशिप में आश्रम के ब्रह्मचारी अजय शेखावत स्टार परफॉर्मर बनकर उभरे। उन्होंने अपनी रफ्तार से सबको आश्चर्यचकित करते हुए 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक, 100 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। ब्रह्मचारियों की इस ऐतिहासिक जीत पर आश्रम परिसर में एक समारोह में ब्रह्मचारियों का सम्मान किया। इस दौरान जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव ठाकुरमल शर्मा, जिला जिम्नास्टिक संघ के अध्यक्ष अशोक कुमार शर्मा, सचिव नरेंद्र सिंह राठौड़ और आश्रम के मंत्री सुशील कुमार बजाज सहित कई खेल हस्तियां मौजूद रही। इस दौरान सफलता के सूत्रधार रहे योग कोच संदीप सिंह, बुद्धिप्रकाश और शूटिंग कोच पूर्ण सिंह शेखावत का अतिथियों ने दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। मुख्य अतिथि ठाकुरमल शर्मा ने कहा कि खेल केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह जीवन में अनुशासन और सर्वांगीण विकास का मार्ग है।

गुढ़ागौड़जी में दहशत फैलाने वाला इनामी बदमाश गिरफ्तार

झुंझुनूं/गुढ़ागौड़जी (निसं)। कस्बा गुढ़ागौडजी में देर रात कैम्पर गाड़ियों से उत्पात मचाकर दहशत फैलाने, जानलेवा हमला करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के चर्चित मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले में फरार चल रहे 2 हजार रूपये के इनामी आरोपी पवन कुमार उर्फ खत्री को गिरफ्तार कर लिया है। इस प्रकरण में इससे पहले 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया गया था। जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर आईपीएस के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा वृताधिकारी महावीर सिंह के सुपरविजन में गुढ़ागौडजी थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोचा। कार्रवाई का नेतृत्व थानाधिकारी सुरेश कुमार रोलन ने किया। पुलिस के अनुसार 4 अप्रैल 2026 की रात गुढ़ागौडजी कस्बे में दो पक्षों के बीच कैम्पर गाडियों से पीछा कर टक्कर मारने और हमला करने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो भौडकी चौराहे के पास विक्रम सिंह उर्फ सोनू राजपूत और अरविंद उर्फ सोनू उस्ताद पक्ष के लोगों द्वारा वाहनों को तेज गति से दौडाकर आतंक फैलाने का मामला सामने आया। आरोपियों ने एक-दूसरे को जान से मारने की नीयत से गाडियों से टक्करें मारीं, जिससे बिजली विभाग का खंभा टूट गया। सड़क किनारे बनी दुकानों के चबूतरे, रेलिंग, पट्टियां तथा बिजली मीटर भी क्षतिग्रस्त हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए गुढ़ागौड़जी थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम की संयुक्त टीमें गठित की गई। पुलिस ने फरार चल रहे इनामी आरोपी पवन कुमार उर्फ खत्री को दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पवन कुमार उर्फ खत्री पुत्र किशन लाल, निवासी लीला की ढाणी हुक्मपुरा, थाना गुढ़ागौडजी के रूप में हुई है।

‘स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती-त्यागीजी महाराज’ तपोमय जीवनचरित का लोकार्पण

ग्रन्थ की प्रति के साथ परमहंस श्री केशवानंद सरस्वती मौजूद रहे।

नोहर, (निसं)। लुक्सा जोहड़ा स्थित परमहंस आश्रम में आध्यात्मिक एवं साहित्यिक वातावरण के बीच महान तपस्वी साधक त्यागीजी महाराज पर आधारित ग्रंथ ‘स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती-त्यागीजी महाराज’ तपोमय जीवनचरित का लोकार्पण एवं परिचर्चा कार्यक्रम अत्यंत गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ।कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रद्धालु एवं प्रतिष्ठित नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे पूरा परिसर भक्तिभाव एवं ज्ञानचर्चा से आलोकित हो उठा।

त्यागीजी महाराज के परम प्रिय शिष्य एवं उनके उत्तराधिकारी लुक्सा जोहडा आश्रम पीठाधीश्वर परमहंस श्री केशवानंद सरस्वती जी के कर-कमलों द्वारा ग्रंथ का विधिवत लोकार्पण किया गया। जो उपस्थित जनसमूह के लिए अत्यंत प्रेरणादायी क्षण रहा। स्वामी केशवानंद जी के शिष्य कृष्ण कुमार पारीक ने उन्हें ग्रंथ की प्रथम प्रति भेंट कर गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा को सजीव रूप प्रदान किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती के तप, त्याग और आध्यात्मिक साधना के विविध आयामों पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन को समाज के लिए अनुपम प्रेरणास्रोत बताया।

उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरुषों का जीवनचरित केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन ही नहीं देता, बल्कि समाज को नैतिक मूल्यों, आत्मानुशासन और जीवन की सार्थक दिशा की ओर अग्रसर करता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने पुस्तक की उपयोगिता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए इसे युगानुकूल और अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि यह ग्रंथ नई पीढ़ी को भारतीय संत परंपरा, सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम सिद्ध होगा। स्वामी केशवानंद जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में सुप्रसिद्ध लेखिका साविता पांडेय दिल्ली द्वारा ग्रंथ की प्रस्तुति एवं संपादन किया गया है।

पुस्तक में स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती के जीवन, उनकी कठोर साधना, आध्यात्मिक अनुभवों एवं जनकल्याणकारी संदेशों का अत्यंत विस्तृत और भावपूर्ण वर्णन किया गया है, जो पाठकों को आत्मिक उन्नति की ओर प्रेरित करता है। समारोह के अंत में सभी उपस्थित जनों ने पुस्तक की प्रतियाँ प्राप्त कर स्वामी जी का आशीर्वाद लिया तथा इस सफल आयोजन के लिए आयोजकों के प्रति हृदय से आभार एवं शुभकामनाएँ व्यक्त की। आश्रम ट्रस्टी नंदलाल सरपंच, महेंद्र स्वामी बिल्यू, शिवभगवान पारीक, सुरेश पांडिया, सुनील गर्ग नोहर, जोगेंद्र सिंह राठौड बिल्यू, सुखवीर चारण, महेंद्र सेन, अशोक स्वामी आदि मौजूद रहे।

युवाओं ने स्वगणना हेतु अपील की

सादुलपुर, (निसं)। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले के महाविद्यालयों में जनगणना-2027 अंतर्गत स्वगणना जागरूकता हेतु रंगोली कार्यक्रम व अन्य गतिविधियां आयोजित की गई। ‘स्वगणना’ के प्रति आमजन में जागरूकता बढाने के उद्देश्य से चूरू जिले के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में रंगोली कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता के माध्यम से जनगणना के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। मंगलवार सुबह 11 बजे मिली जानकारी में जिले के श्रीमती शंकुतला देवी राजकीय महाविद्यालय सिद्धमुख, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राघा छोटी तथा सरस्वती गर्ल्स पीजी कॉलेज तारानगर सहित जिले की अनेक शिक्षण संस्थाओं में रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

सार-समाचार

पत्रकार नरेश भाटी के पिता का निधन

चूरू (निसं)। शहर के सक्रिय पत्रकार नरेश भाटी के पिता पूर्व जलदाय कर्मी एवं समाजसेवी मन्नालाल भाटी का रविवार को निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। सोमवार प्रातः सच्चियाय माता मंदिर स्थित निवास से अगुणा मौहल्ला शमशान घाट पहुंची उनकी शव यात्रा में शहर के सैकड़ों नागरिकों ने भाग लिया। पुत्र दिनेश व नरेश ने उनकी पार्थिव देह को मुखाग्नि दी। सैकडों परिजनों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया। वे अपने पीछे पत्नी संतोष, पुत्र दिनेश, नरेश सहित पुत्र, पुत्रियों, पोते-नातियों सहित भरा पूरा परिवार छोड़कर गए हैं। उल्लेखनीय है कि मन्नालाल भाटी जलदाय विभाग में फिटर सेकंड के पद पर कार्यरत रहे थे और कुछ वर्ष पूर्व ही सेवानिवृत्त हुए थे। अपने सेवाकाल के दौरान वे कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और सरल स्वभाव के लिए जाने जाते थे। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहते थे और क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में भागीदारी निभाते थे। उनके निधन से न केवल भाटी परिवार बल्कि परिचितों, मित्रों और क्षेत्रवासियों को गहरा आघात पहुंचा है। शोक समाचार मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन, रिश्तेदार, पत्रकार जगत से जुड़े लोग और स्थानीय नागरिक उनके निवास पर पहुंचे और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. एमएम पुकार, जनसम्पर्क उप निदेशक कुमार अजय, डॉ. आरिफ खान, रवि दाधीच सहित बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी, अधिकारी, जनप्रतिनिधि और परिजन मौजूद थे।

‘पायलट जिस राज्य के विधानसभा चुनाव प्रभारी बनते हैं वहां कांग्रेस का मुख्यमंत्री बनता है’

चूरू, (निसं)। केरल राज्य में भारी बहुमत से कांग्रेस विजय होने पर चूरू जिला मुख्यालय पर कांग्रेसजनों ने चूरू नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया के सानिध्य मे एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया इस अवसर पर महनसरिया ने कहा कि पुर्व उप मुख्यमंत्री व एआईसीसी के महासचिव व लोकप्रिय जन नेता सचिन पायलट को विधानसभा चुनाव में जिस राज्य का प्रभारी बनाकर भेजा जाता है वहां कांग्रेस का मुख्यमंत्री बनता है पायलट को इससे पहले हिमाचल विधानसभा चुनाव का प्रभारी बनाकर भेजा था वहां कांग्रेस का मुख्यमंत्री बना अब केरल राज्य के विधानसभा चुनाव में प्रभारी बनाया है पायलट के अथक प्रयास व मेहनत से केरल में 10 साल से एलडीएफ पार्टी राज्य में राज कर रही थी से सता छिन कर कांग्रेस पार्टी का भारी बहुमत लाए और मुख्यमंत्री बनने जा रहा है पर कांग्रेस जन खडगे, सोनिया, राहुल, प्रियंका गांधी का पायलट को इन राज्यों के विधानसभा चुनावो में पायलट को प्रभारी बनाने पर आभार जताया महन सरिया ने कहा कि पायलट की एक झलक देखने के लिए पूरे राज्य में पायलट पायलट हो रही है इस अवसर पर अमर सिंह दनेवा, हर फूल सिंह भाबू, मुशी खा, मोहन ट्रेलर, सलीम पीए, नवाबखा दौलत खानी, मोनू राम गड़िया, मुकेश महनसरिया, लक्ष्मण मेहरा, प्रभु दयाल कुदाल, परमेश्वर रेगर, योगेश शर्मा, ललित मेघवाल सहित अनेक जन उपस्थित थे।

प्रतिभाओं का सम्मान कल

राजलदेसर (निसं)। स्वर्णकार जनसेवा संस्थान, राजलदेसर द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम 7 मई को तेरापंथ युवक परिषद महिला मंडल में आयोजित होगा। संस्थान के पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस वर्ष कुल 102 मेधावी विद्यार्थियों का चयन किया गया है, जिन्हें मंच पर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश विनोद सोनी, सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग गौरव सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रधान संस्थापक हंसराज कंडेल उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वर्णकार जनसेवा संस्थान के अध्यक्ष ओमप्रकाश जोड़ा करेंगे। संस्थान द्वारा कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। सभी चयनित विद्यार्थियों को मोबाइल के माध्यम से सूचना प्रेषित की जा चुकी है। संस्थान का मुख्य उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम में सर्व समाज के गणमान्य नागरिकों, ज्वेलर्स एवं सोनी समाज के प्रतिनिधियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रहेंगे।

ग्राम रथ का स्वागत किया

तारानगर (निसं)। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित ग्राम रथ अभियान ग्राम पंचायत हड़ियाल में जागरूकता का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा। ग्राम रथ के जरिए विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी गांव के अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक पहुंचाई जा रही है। नाट्यय प्रस्तुतियों, गीतों और संवादों के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया, जिससे आमजन में इन योजनाओं के प्रति रुचि और समझ बढ़ी। तारानगर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत हड़ियाल पहुंचने पर प्रशासक राकेश शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर ग्राम रथ का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि झाझड़िया ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना ही सच्चा विकास है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए शिक्षा, खेल और जागरूकता को जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
वरि. मंडल बिजली इंजीनियर/टीआरडी, उ. प. रेलवे बीकानेर, भारत के राष्ट्रपति के वास्ते व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। 1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता: http://www.ireps.gov.in. 2. ई-निविदाएं बंद होने की तिथि व समय: 29.05.2026 को 15:00 बजे तक, 3. ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय: 29.05.2026 को 15.00 बजे के बाद, Tender Notice No.: 06-TRD-BKN-ETender-2026-27, Name of work: TRD modification work in c/w Removal of PSR-34 Nos in Sadulpur-Bikaner section of Bikaner Division., Approx Cost of the work: ₹ 6,59,69,613.53, EMD/SD (Rupees): ₹ 13,19,400.00
655-DO/26
हमें /NWRailways पर फॉलो करें

REGIONAL OFFICE
Rajasthan State Pollution Control Board
Shiv Singhpura Housing Board, Nawalgarh Road, Sikar-332001
Phone: 01572-248009,e-mail : rorpcb.sikar@gmail.com
International Year of Cooperatives 2025
RPCB/ RO Sikar/ SIK-PII-05(VI190-200) Date: 23/04/2026
पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई की आम सूचना
विषय : मेसर्स श्रीमती उषा बासना, प्लाट नंबर 50, खसरा नंबर 1137/302, निकट ग्राम मोकलवास, तहसील नीमकाथाना एवं जिला सीकर में प्रस्तावित चेजा पत्थर की खनन परियोजना हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए लोक सुनवाई।
1. सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मेसर्स श्रीमती उषा बासना द्वारा प्रस्तावित चेजा पत्थर खनन परियोजना जिसका क्षेत्रफल 2.62 हेक्टेयर, उत्पादन क्षमता 255300 टन प्रति वर्ष (रोम) तथा माइनिंग कलस्टर क्षेत्रफल 29.29706 हेक्टेयर, प्लाट नंबर 50,खसरा नंबर 1137/302, निकट ग्राम मोकलवास तहसील नीमकाथाना एवं जिला सीकर में स्थित है, से प्रार्थना पत्र मय दस्तावेज पर्यावरणीय स्वीकृति से पूर्व आवश्यक समूह खनन परियोजना लोक सुनवाई हेतु यह प्रस्ताव राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल (यहां तथा बाद मण्डल के नाम से अभिलिखित) को प्रस्तुत किया गया है।
2. और चूंकि मैसर्स श्रीमती उषा बासना ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल को उक्त परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से पूर्व आवश्यक समूह खनन परियोजना की लोक सुनवाई हेतु मण्डल को आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त परियोजना हेतु ईआईए अधिसूचना, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना संख्या एस.ओ. 1533 दिनांक 14.09.2006 एवं संशोधित 141 दिनांक 15.01.2016 के प्रावधानों के अनुसार जन सुनवाई हेतु इस आशय की सूचना जारी कर 30 दिवस का नोटिस दिया जाना आवश्यक है।
3. उक्त परियोजना से संबंधित संक्षिप्त अभिलेख (कार्यकारी सारांश) एवं संक्षिप्त कार्यपालक सार अभिलेख निम्न कार्यालयों में अवलोकनार्थ उपलब्ध हैं
1. जिला कलेक्टर, सीकर 2. अतिरिक्त जिला कलेक्टर, नीमकाथाना, जिला सीकर 3. राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, क्षेत्रीय कार्यालय, 4, संस्थागत क्षेत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर 4. क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, सी-218, अरण्य भवन, झालाना संस्थागत क्षेत्र, जयपुर 5. जिला उद्योग केंद्र, सीकर 6. उपखण्ड अधिकारी, नीमकाथाना, जिला सीकर 7. ग्राम पंचायत, गोविंदवास, तहसील नीमकाथाना एवं जिला सीकर 8. प्रधान ग्राम पंचायत, ग्राम गोविंदवास, तहसील नीमकाथाना एवं जिला सीकर 9. निदेशक, पर्यावरण विभाग, कक्ष संख्या 8240 तृतीय तल, उ-प (एलएसएस) भवन, सचिवालय, जयपुर10. क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, सीकर जिला सीकर
अतः सर्वसाधारण को कार्यालय जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, सीकर के पत्र क्रमांक 1495 दिनांक 20.04.2026 के अनुसार इस आशय से सूचित किया जाता है कि उक्त समूह खनन परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से संबंधित लोक सुनवाई हेतु दिनांक 12.06.2026 (शुक्रवार) को शाम 04:00 बजे स्थानः राजीव गांधी सेवा केंद्र, ग्राम मोकलवास, तहसील नीमकाथाना एवं जिला सीकर में उपस्थित होकर अपने लिखित/मौखिक आपत्तियां/सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं।
साथ ही उक्त समय में लिखित सुझाव/आपत्ति इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के अंदर क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, सीकर जिला सीकर के पास भी भेज सकते हैं। यह सूचना वैश्विक महामारी कोविड-19 से संबंधित केंद्र/राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर पारित निर्देशों के अनुरूप एवं अधीन रहेगी तथा सभी प्रावधानों/सावधानियों की पालना सुनिश्चित करनी होगी।
(हस्ताक्षर) क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल सीकर (राजस्थान)

कार्यालय नगरपरिषद चूरू (राजस्थान)
क्रमांकः न.प./चूरू/मू.उ.प.शाखा/2026-27/ दिनांक :
सार्वजनिक विज्ञप्ति (आपत्ति आमन्त्रण पत्र)
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संबंधित आवेदक द्वारा निम्नांकित विवरण-पत्र में अपने नाम के सम्मुख अंकित कार्य की स्वीकृति हेतु इस कार्यालय को अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है, अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था/ हितधारक को कोई आपति हो तो उक्त सार्वजनिक विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर उपर्युक्त साक्ष्य सहित अपनी लिखित आपत्ति निम्न अधोहस्ताक्षर कर्ता के समक्ष प्रस्तत कर सकते है। वाद मियाद गुजरने पर प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा नियमानुसार प्रकरण का निस्तारण संबंधित आवेदक के पक्ष में कर दिया जावेगा

क्र. सं.	नाम आवेदक/आवेदिका	आवेदित भूमि की अवस्थिति	भूखण्ड का क्षेत्रफल	उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	मास्टर/जोनल प्लान में भू-उपयोग	अपेक्षित स्वीकृति
1	श्री नवरतन शर्मा पुत्र स्वर्गीय मुरलीधर शर्मा, वार्ड नं. 28 जिला पुस्तकालय के पीछे, चूरू	वार्ड नं. 30 जिला पुस्तकालय के सामने, चूरू	417.62 वर्गमीटर	भूखण्ड गुलाबचंद आदि शर्मा वर्तमान रामगोपाल शर्मा	भूखण्ड श्री रंगलाल श्रीकृष्ण चौधरी	आम रास्ता 60 फीट चौडा	भूखण्ड श्रीमती सावित्री देवी सोनी वर्तमान माणकचंद शर्मा	वाणिज्यिक	आवासीय से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन

(अभिलाषा सिंह) आयुक्त, नगरपरिषद चूरू

आईपीएल 2026 में जसप्रीत बुमराह का खराब प्रदर्शन केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि भारी अंतरराष्ट्रीय वर्कलोड के कारण हुई मानसिक थकान का भी परिणाम है।
– रवि शास्त्री

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, जसप्रीत बुमराह की खराब फॉर्म को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी — सुनील गावस्कर

सुनील गावस्कर ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों ही प्लेऑफ की दौड़ में हैं, इसलिए यह मैच दोनों टीमों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सुनील गावस्कर ने कहा कि सीएसके लगातार दो जीत के साथ एमआई के खिलाफ मैदान में उतर रही है, जबकि दिल्ली ने अपना पिछला मैच राजस्थान के खिलाफ जीता था। आत्मविश्वास काफी ऊंचा होगा, खासकर चेन्नई का। लेकिन दिल्ली को उसके घर पर हराना आसान नहीं होगा। गावस्कर ने दोनों टीमों के कुछ अहम खिलाड़ियों पर भी प्रकाश डाला, जिन पर नजर रखने की जरूरत है।

क्या आप जानते हैं ?... 1951-1962 का समय भारतीय फुटबॉल का स्वर्ण युग था, और टीम ने 1964 में एशियन कप में उपविजेता बनकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

सैमसन के तूफान में उड़ी दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स को मिली धमाकेदार जीत

नई दिल्ली, 5 मई। चेन्नई सुपर किंग्स ने मंगलवार को आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 8 विकेट से विजयी परचम फहराया। डीसी ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में 158 रनों का टारगेट दिया, जिसे सीएसके ने 17.3 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर चेज किया। यह पांच बार की चैंपियन सीएसके की मौजूदा सीजन में 10 मैचों में पांचवी जीत है जबकि दिल्ली को इतने ही मुकाबलों में छठी हार का सामना करना पड़ा। डीसी संजू सैमसन के तूफान में उड़ गई। बतौर ओपनर उतरे सैमसन ने 52 गेंदों में नाबाद 87 रनों की पारी खेली। उन्होंने सात चौके और 6 छक्के जमाए। सैमसन ने कार्तिक शर्मा (32 गेंदों में नाबाद 41, चार चौके, दो छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 114 रनों की अटूट पार्टनरशिप की। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने 6 और उर्विल पटेल ने 17 रनों का योगदान दिया। लुंगी एनगिडी ने चौथे ओवर में गायकवाड़ और अक्षर पटेल ने सातवें ओवर में उर्विल का शिकार किया।

इससे पहले, दिल्ली ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने के बाद सात विकेट पर 155 रन बनाए। केएल राहुल (12), पथुम निसंका (19), नीतिश राणा (15), करुण नायर (13) और कप्तान अक्षर पटेल (2) जैसे बल्लेबाज सस्ते में लौटे। डीसी ने 69 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे लेकिन ट्रिस्टन स्टब्स (38) और समीर रिजवी (नाबाद 40) ने टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। दोनों ने छठे विकेट के लिए 47 गेंदों में 65 रन की साझेदारी की। रिजवी ने 24 गेंदों की नाबाद पारी में चार छक्के लगाए, जबकि स्टब्स ने 31 गेंदों की पारी में एक चौका और दो छक्के जड़े।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग अपडेट

भारत 275 अंकों के साथ शीर्ष पर बरकरार, कई टीमों की रैंकिंग में बदलाव

नई दिल्ली, 5 मई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से मंगलवार को जारी ताजा वार्षिक अपडेट के बाद पुरुष और महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में भारत और ऑस्ट्रेलिया ने क्रमशः अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। इस अपडेट में मई 2025 के बाद खेले गए मैचों को पूर्ण महत्व और पिछले दो वर्षों के मुकाबलों को आंशिक महत्व दिया गया है। पुरुष रैंकिंग में भारत 275 अंकों के साथ पहले स्थान पर कायम है, हालांकि दूसरे स्थान पर मौजूद इंग्लैंड के साथ उसका अंतर अब 14 से घटकर 13 अंक रह गया है। इंग्लैंड 262 अंकों के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 258 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। शीर्ष सात टीमों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज ने अपने-अपने स्थान बरकरार रखे हैं।

इस अपडेट में बांग्लादेश एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि श्रीलंका छह अंक गंवाकर नौवें स्थान पर खिसक गया है। अफगानिस्तान दसवें स्थान पर बना हुआ है। अमेरिका ने नीदरलैंड और स्कॉटलैंड को पीछे छोड़ते हुए 13वां स्थान हासिल किया है। नेपाल ने संयुक्त अरब अमीरात को पीछे छोड़ते हुए 17वां स्थान प्राप्त किया, जबकि ओमान 19वें स्थान पर पहुंच गया है। अन्य उल्लेखनीय बदलावों में इटली ने 11 अंकों की बढ़त के साथ 23वां स्थान हासिल किया, स्पेन 12 अंकों की बढ़त के साथ 26वें स्थान पर पहुंचा, साइप्रस और इस्वातिनी ने भी उल्लेखनीय प्रगति की। दूसरी ओर, मोजाम्बिक को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ और वह 15 स्थान गिरकर 87वें स्थान पर पहुंच गया। महिला टी-20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया 287 अंकों के साथ पहले स्थान पर कायम है, हालांकि इंग्लैंड के साथ उसका अंतर 18 से घटकर 12 अंक रह गया है। इंग्लैंड 275 अंकों के साथ दूसरे और भारत 264 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है।

महिला रैंकिंग में शीर्ष 16 टीमों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज क्रमशः चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर हैं। श्रीलंका सातवें स्थान पर रहते हुए शीर्ष टीमों के करीब पहुंच गया है, जबकि बांग्लादेश ने भी सुधार करते हुए आयरलैंड के करीब पहुंच बना ली है। अमेरिका ने महिला रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर 20वां स्थान हासिल किया है वहीं जर्मनी ने छह स्थान ऊपर चढ़ते हुए 29वां स्थान प्राप्त किया है। इस अपडेट के बाद पुरुष वर्ग में कुल 98 और महिला वर्ग में 78 टीमों को रैंकिंग में शामिल किया गया है। कुछ टीमें न्यूनतम मैच न खेलने के कारण रैंकिंग से बाहर हो गई हैं।

राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार व नेटबॉल स्पोर्ट्स सोसायटी से मांगा जवाब

जयपुर, 5 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने नेटबॉल स्पोर्टस से जुड़े मामले में राज्य सरकार सहित अन्य पक्षकारों को कहा है कि राजस्थान स्पोर्टस एक्ट 2005 के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं करें। वहीं मामले में पक्षकार नेटबॉल स्पोर्टस सोसायटी भरतपुर, सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार व राजस्थान स्टेट स्पोर्टस काउंसिल से 25 मई तक जवाब देने के लिए कहा है। अदालत ने यह निर्देश राजस्थान नेटबॉल एसोसिएशन व अन्य की याचिका पर दिया। प्रार्थी पक्ष के अधिवक्ता राजेश महर्षि ने बताया कि खेल गतिविधियों के संचालन के लिए राजस्थान स्पोर्टस एक्ट 2005 के तहत पंजीकरण करवाया जाना जरूरी है। लेकिन अप्रार्थी संस्था नेटबॉल स्पोर्टस सोसायटी सहकारिता विभाग में ही पंजीकृत है। लेकिन वह फिर भी खुद को राज्य स्तरीय संस्था बताते हुए खेल गतिविधियों को संचालित कर रही है और अपनी टीमों को देशभर में भेज रही है। ऐसे में यह ना केवल स्पोर्टस एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन है बल्कि प्रार्थी संस्था के अधिकारों को भी प्रभावित करने वाला है। इसलिए अप्रार्थी संस्था को पांबद किया जाए कि वह स्पोर्टस एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं करे।

के.एम. रूंगटा ट्रॉफी : ड्रॉ मैच में हार्दिक कुक्कड़ का शतक

जयपुर, 5 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा ट्रॉफी में आज खेले गए तीन दिवसीय मैच के तीसरे दिन टीम बी ने दूसरे दिन के स्कोर बिना विकेट पर 9 रन से आगे खेलते हुए हार्दिक कुक्कड़ के 154 रन (175 गेंद, 22 चौके व 1 छक्के), मनय कटारिया के 81 रन, रोहन सिंह के 33 रन, कैफ गुडऐज के 15 रनो से 72 ओवर में 8 विकेट पर 325 रन बनाए। टीम सी मान क्लब के लिए के अभिषेक यादव ने 66 पर 3, सुमित भगेरिया ने 52 पर 2, दीपक चौधरी, राहुल चौधरी व आदित्य शर्मा ने एक - एक विकेट लिया। तीन दिन के खेल में दोनों टीमों की एक - एक पारी पूरी नहीं हो सकी । मैच ड्रॉ रहा।

ज्योतिबा फूले क्लब ने संस्कार एकेडमी को हराया, नयन माली का पंजा

जयपुर, 5 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए पूल बी के मैच में ज्योति बा फूले क्लब ने संस्कार एकेडमी को 5 विकेट से हराया। जी आर ग्राउंड पर खेले गए मैच में संस्कार एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अक्षत गुप्ता के 28 रन, राहुल यादव के 44 रन व आरव कुमार के 18 रन से 31.2 ओवर में 125 रन बनाकर आउट हो गई। ज्योति बा फूले क्लब के लिए नयन माली ने 33 पर 5, हिमांशु शर्मा ने 20 पर 2 व चर्चित निर्वाण ने 12 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में ज्योति बा फूले क्लब ने वशिष्ठ शर्मा के 23 रन, सात्विक जैन के 49 रन, तन्मय यादव के 20 रन नाबाद व जतिन सैनी के 29 रन नाबाद से 29.2 ओवर में 5 विकेट पर 126 रन बनाकर मैच जीत लिया। संस्कार एकेडमी के लिए नवीन बुरी ने 53 पर 2, पुलकित माथुर ने 22 पर 2 व समीर रशीद ने 27 पर एक विकेट लिया।

तीसरी अतिया परवीन स्मृति टी-20 महिला क्रिकेट प्रतियोगिता

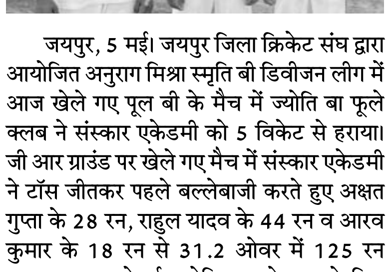

जयपुर, 5 मई । मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज सोनी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गये तीसरी अलिया परवीन स्मृति टी-20 महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये मैचों रिशिता यादव 15 रन पर 5 विकेट की घातक गेंदबाजी तथा नीतू शर्मा 60 रन, नाबाद व अनाया 59 रन की अद्धर्शतकीय पारियों की बदौलत डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी ने डिम्पल कन्सट्रक्शन एकादश टीम को 107 रन से हराकर फाईनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमिफाईनल मैच में स्काई एन्जल क्रिकेट एकेडमी ने रितू कपूरिया 20 रन पर 3 विकेट, प्रिया सामोता 16 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत नेशनल क्रिकेट एकेडमी को 20 रन से हराकर फाईनल में प्रवेश किया।

पांचवां अरुपे कप खेल प्रतियोगिता का सफल समापन

जयपुर, 5 मई। सेंट ज़ेवियर्स स्कूल, नेवटा, जयपुर द्वारा आयोजित 5वां अरुपे कप फुटबॉल, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल टूर्नामेंट (लड़के और लड़कियां) का सफल समापन आज तारीख 2 मई को हुआ। यह भव्य खेल प्रतियोगिता 30 अप्रैल से शुरू हुई थी, जिसमें जयपुर शहर की 109 से ज़्यादा टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि रिटायर्ड डीजीपी मनोज भट्ट रहे।

पावर प्ले जीतने वाली टीमें अक्सर मैच जीत जाती है : केएल राहुल

नई दिल्ली, 5 मई। केएल राहुल ने मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए शीर्ष क्रम में असाधारण प्रदर्शन किया है, और अगर उन्हें शीर्ष चार में जगह बनानी है तो उनका फॉर्म महत्वपूर्ण होगा। डीसी फिलहाल नौ मैचों में चार जीत के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। मंगलवार रात दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाने वाले अपने अगले आईपीएल मैच में उनका मुकाबला सीएसके से होगा।

जियोस्टार के सुपरस्टार्स कार्यक्रम में बोलते हुए, राहुल ने अपने नए ओपनिंग पार्टनर, पथुम निस्संका और उनकी भूमिका में स्पष्टता के बारे में अपने विचार साझा किए। राहुल ने शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी शैली को अपनाने के बारे में बात करते हुए कहा कि पिछले दो-तीन वर्षों में टी20 क्रिकेट, खासकर आईपीएल में, काफी विकसित हुआ है। टीमों के जीतने के तरीकों में एक पैटर्न दिखाई देता है, और हाल ही में, पावर प्ले जीतने वाली टीमें अक्सर मैच जीत जाती हैं। कुछ साल पहले, मैच आमतौर पर 14वें और 20वें ओवर के बीच तय होते थे।

पावर प्ले हमेशा महत्वपूर्ण रहा है, लेकिन अब इसका महत्व और भी बढ़ गया है। व्यक्तिगत रूप से, मुझे टीम के लिए इस शैली में ढलना पड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि इस सीज़न में टीम प्रबंधन का संदेश बिल्कुल स्पष्ट था। उन्होंने आईपीएल से पहले मुझसे बात की और मुझसे शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करने और खुलकर खेलने को कहा। टीमें उस चरण में 60 से अधिक रन बनाने का लक्ष्य रखती हैं।

इस स्पष्टता ने मुझे अपनी क्षमताओं के अनुरूप इसे हासिल करने के बारे में सोचने का समय दिया। मैंने हर मैच में इसी इरादे से खेलने की कोशिश की है। आप हमेशा सफल नहीं होंगे, लेकिन विचार सही है। मेरा ध्यान पावरप्ले का अधिकतम लाभ उठाने पर है, क्योंकि यही टीम और टी20 क्रिकेट की वर्तमान मांग है।

एशियाई खेल 2026 की तैयारी तेज

1.67 करोड़ की लागत से शुरू हुई तीन राष्ट्रीय बैडमिंटन शिविर में जुटे शीर्ष खिलाड़ी

नई दिल्ली, 5 मई। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृत 1.67 करोड़ रुपये की लागत से संचालित तीन राष्ट्रीय कोचिंग शिविर भारतीय बैडमिंटन टीमों की एशियाई खेल 2026 की तैयारियों को नई दिशा दे रहे हैं। 10 अप्रैल से शुरू हुए ये शिविर हैदराबाद, बेंगलुरु और गुवाहाटी में आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें देश के शीर्ष शटलरों को एक मंच पर लाकर उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

हाल ही में डेनमार्क के हॉर्सेंस में 24 अप्रैल से 3 मई के बीच आयोजित थॉमस और उबेर कप 2026 में भारतीय पुरुष टीम ने कांस्य पदक हासिल किया। इन शिविरों के जरिए लक्ष्य सेन, पदार्पण करने वाले आयुष शेट्टी, किदांबी श्रीकांत और युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी जैसे खिलाड़ियों को एक साथ अभ्यास, संयोजन सुधारने और मैच लय विकसित करने का अवसर मिला।

अंडर-18 एशिया कप से पहले भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेंगी चार मैचों की श्रृंखला

भोपाल, 5 मई। भारत की अंडर-18 पुरुष और महिला हॉकी टीमें एशिया कप की तैयारी के तहत ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के खिलाफ चार-चार मैचों की श्रृंखला खेलेंगी। यह मुकाबले 15 से 20 मई तक उद्धव दास मेहता केंद्रीय केंद्र, भोपाल में आयोजित होंगे। यह श्रृंखला 19 अप्रैल से साई भोपाल में चल रहे अंडर-18 राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के बाद आयोजित की जा रही है और महीने के अंत में काकामिगाहारा में शुरू होने वाले अंडर-18 एशिया कप की तैयारी के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है। भारतीय महिला अंडर-18 टीम अपनी श्रृंखला की शुरुआत 15 मई को शाम 7 बजे से करेगी। दूसरा मुकाबला 17 मई को शाम 5 बजे खेला जाएगा। तीसरा मैच 18 मई को शाम 7 बजे होगा, जबकि अंतिम मुकाबला 20 मई को सुबह 8 बजे खेला जाएगा। वहीं भारतीय पुरुष अंडर-18 टीम 15 मई को शाम 5 बजे अपने अभियान की शुरुआत करेगी। दूसरा मुकाबला 17 मई को शाम 7 बजे, तीसरा मैच 18 मई को शाम 5 बजे खेला जाएगा, जबकि अंतिम मुकाबला 20 मई को सुबह 10 बजे होगा। पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा कि साई भोपाल में प्रशिक्षण शिविर बेहद उपयोगी रहा और खिलाड़ियों ने अच्छी प्रगति दिखाई है।

अंडर-20 नेशनल फुटबॉल चैम्पियनशिप के लिए राजस्थान टीम छत्तीसगढ़ रवाना

जयपुर, 5 मई । छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में आयोजित होने वाली स्वामी विवेकानंद अंडर-20 पुरुष नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप 2026 के लिए राजस्थान फुटबॉल टीम मंगलवार को सुबह रवाना हो गई। टीम की घोषणा राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत द्वारा की गई।

शेखावत ने बताया कि टीम चयन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही। अप्रैल के प्रथम सप्ताह में चित्तौड़गढ़ में आयोजित राज्यस्तरीय अंडर-20 पुरुष फुटबॉल स्टेट चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को चिन्हित कर जयपुर में दो दिवसीय चयन ट्रायल आयोजित किए गए। इसके बाद चयनित 33 खिलाड़ियों का 15 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर चित्तौड़गढ़ में कॉलेज ग्राउंड पर लगाया गया, जिसका समापन सोमवार को हुआ। शिविर के आधार पर 18 सदस्यीय राजस्थान टीम की घोषणा की गई।

उन्होंने बताया कि राजस्थान फुटबॉल संघ द्वारा चयन प्रक्रिया में राज्यस्तरीय प्रतियोगिता, चयन ट्रायल एवं प्रशिक्षण शिविर जैसे सभी चरणों का पालन किया जाता है। साथ ही, खिलाड़ियों के निष्पक्ष चयन हेतु विशेष चयन समिति का गठन भी किया गया है।

राजस्थान टीम अपने अभियान की शुरुआत 9 मई को आंध्रप्रदेश के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम 13 मई को झारखंड, 15 मई को बिहार और 17 मई को मेघालय के विरुद्ध अपने लीग मुकाबले खेलेगी। राजस्थान फुटबॉल संघ के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल, संघ पदाधिकारियों, वरिष्ठ खिलाड़ियों एवं फुटबॉल प्रेमियों ने टीम को राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

टीम (राजस्थान अंडर-20): शिवम कुमार (गोलकीपर), हर्षवर्धन , शिवम(कप्तान,) सर्वेश राव, जितेंद्र कुमार,(उप कप्तान) जितेंद्र सिंह, विकास, प्रशांत यादव, आदेश गरसा, जयदीप, रुद्रप्रताप, कुमार प्रिंस सामोता, अनिल कुमार, अंशुमान मीणा, सौरभ, अब्बास, अभिनय सिंह, असद अली (गोलकीपर)। **हेड कोचः** हर्ष चौधरी, **मैनेजरः** हितेश शर्मा, **फिजियोः** गौरव गुप्ता।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप की रेस में शामिल हुए रिकेल्टन, छठे स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली, 5 मई। मुंबई इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेले गए मुकाबले के बाद ऑरेंज कैप की रेस में बड़ा बदलाव देखने को मिला। मुंबई के बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने शानदार पारी खेलते हुए एक साथ कई खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। रयान रिकेल्टन ने इस मुकाबले में सिर्फ 32 गेंदों पर 83 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसकी बदौलत मुंबई इंडियंस ने जीत हासिल की। इस प्रदर्शन के साथ उनके सीजन में कुल रन 380 हो गए हैं और वह सीधे छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष पांच बल्लेबाजों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पहले स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 440 रन के साथ बने हुए हैं, जबकि दूसरे स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 433 रन के साथ मौजूद हैं। तीसरे स्थान पर हेनरिक क्लासेन 425 रन, चौथे स्थान पर वैभव सूर्यवंशी 404 रन और पांचवें स्थान पर गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन 385 रन के साथ हैं।

रिकेल्टन से पहले 300 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लंबी सूची थी, लेकिन उनकी इस पारी ने उन्हें सीधे शीर्ष खिलाड़ियों की कतार में ला खड़ा किया है। फिलहाल मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स का कोई अन्य बल्लेबाज शीर्ष 20 में शामिल नहीं है। अब सभी की नजरें केएल राहुल पर हैं, जो चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अगले मैच में खेलेंगे और कुछ चौकों के साथ फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर सकते हैं।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने किया बरकतुल्लाह खान स्टेडियम का निरीक्षण

प्रशिक्षित व अनुभवी आरसीए ग्राउंड स्टाफ जल्द से जल्द तैयार करेगा स्टेडियम के विकेट व मैदान : डॉ. मोहित

जयपुर, 5 मई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव , सदस्य आशीष तिवाड़ी, अरिष्ट सिंघवी ने आज जोधपुर पहुंच बरकतुल्लाह खान स्टेडियम का दौरा किया। इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ जोधपुर के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

एडहॉक संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव ने बताया कि आरसीए की आगामी क्रिकेट प्रतियोगिताओं व बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2026 - 27 की राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं के आयोजन व बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में मैचों की मेजबानी के लिए बरकतुल्लाह खान स्टेडियम का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने के लिए आरसीए एडहॉक कमेटी ने आज स्टेडियम का दौरा किया।

संयोजक के अनुसार एडहॉक कमेटी ने स्टेडियम के मुख्य मैदान, विकेट्स ,साउथ व नॉर्थ ब्लॉक, पवेलियन, जिम्नेजियम, दर्शक दीर्घा, अन्य ब्लॉकव अकादमी की वर्तमान स्थिति का गहननिरीक्षणकिया व सभी के सम्बद्ध में वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। डॉ मोहित ने बताया कि आरसीए एडहॉक कमेटी का प्रयास है कि अति शीघ्रस्टेडियम के सभी ब्लॉक , पवेलियन, मैदान को खेल के सभी मापदंडों के अनुसार विकसित कर खेल गतिविधियों के लिए उपलब्ध कराया जाए जिसके लिए एडहॉक कमेटी आरसीए के अनुभवीप्रशासकों , विशेषज्ञों सहित आरसीए स्टाफ को नियुक्त करेगी व उन्हें स्टेडियम की सभी अनावश्यक कमियों को दूर कर स्टेडियम को प्रतियोगिताओं के आयोजन व मेजबानी के लिए तैयार करने की जिम्मेदारी दी जाएगी।

आशीष तिवाड़ी, सदस्य एडहॉक के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी बरकतुल्लाह खान स्टेडियम के मुख्य मैदान व विकेट्स को बीसीसीआई की राष्ट्रिय प्रतियोगिता के मैचों की मेजबानी व आरसीए के घरेलू प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है जिसके लिए आरसीए के अनुभवी क्यूरेटर व ग्राउंड स्टाफ जोधपुर पहुंच स्टेडियम के विकेट्स व मैदान को आईपीएल व अंतर्राष्ट्रीय मैचों के समान ही तैयार करेंगे। उनके अनुसार स्टेडियम में प्रतियोगिताओं के आयोजन से खिलाडियोंको अंतर्राष्ट्रीयस्तर की परिस्थितियों में खेलने का अवसर प्राप्त हो होगा जिससे उनमे उत्साह का संचार होगा व उनका मनोबल बढ़ेगा।

अरिष्ट सिंघवी, सदस्य एडहॉक के अनुसार जोधपुर जिला क्रिकेट संघ आरसीए के निर्देशन में राज्य के युवा खिलाड़ियोंको हर स्तर पर उच्च स्तरीय खेल वातावरण व सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आरसीए का हर स्तर पर सहयोग कर रहा है। उनके अनुसार जोधपुर में बरकतुल्लाह खान स्टेडियम के मैदान व अकादमी को उच्च स्तर पर विकसित करने से जिले के खिलाड़ियोंको प्रशिक्षण हेतु एक उच्च स्तरीय खेल मैदान की सौगात प्राप्त होगी व वे अकादमी में प्रशिक्षण के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल मैदान पर अपना शानदार प्रदर्शन दे पाएंगे।

Rajasthan Olive Cultivation Limited

निविदा-सूचना

राजस्थान ऑलिव कल्टीवेशन लिमिटेड के विभिन्न जैतून फार्मो एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बस्सी पर श्रमिक नियोजन हेतु सेवा प्रदाता ऐजेसी के चयन हेतु निम्नानुसार निविदा कार्यालय में आमंत्रित किये गये है। UBN No.: OCL2627SLRC00004

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा की अनु. लागत राशि रु. लाख में	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक
1.	राजस्थान ऑलिव कल्टीवेशन लिमिटेड के विभिन्न जैतून फार्मो एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बस्सी पर श्रमिक नियोजन हेतु सेवा प्रदाता ऐजेसी के चयन।	228.39	21.05.2026 प्रातः 11.00 बजे तक	22.05.2026 साय 4.00 बजे

निविदा दस्तावेंजो की जानकारी https://eproc.rajasthan.gov.in पर अथवा कार्यालय से ली जा सकती है।
राज.संवाद/सी/26/2067 चीफ ऑपरेशन ऑफिसर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

REMAINING VRV AC WORKS IN NAGAR NIGAM NEW BUILDING
क्रमांकः 991 दिनांक : 29.04.2026

ई-टेण्डरिंग-निविदा-सूचना

नगर निगम, अजमेर की ओर से केंद्र एवं राज्य सरकार में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत मैसर्स फर्म/संवेदक से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से विद्युत शाखा द्वारा REMAINING VRV AC WORKS IN NAGAR NIGAM NEW BUILDING हेतु ऑनलाईन अल्पकालीन निविदाएं आमंत्रित की जाती है जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी।

	कार्य का विवरण	निविदा राशि	अमानत राशि	निविदा शुल्क	प्रोसेसिंग फीस
1	REMAINING VRV AC WORKS IN NAGAR NIGAM NEW BUILDING	47.74 लाख	95500 रूपये	1000/- रू.	500/- रू.

निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की दिनांक व समय	निविदा ऑनलाईन भरकर देने की दिनांक व समय	तकनिकी निविदा खोलने की दिनांक व समय
29.04.2026 सायं 6.00 बजे से प्रारम्भ	29.04.2026 सायं 6.00 बजे से 10.05.2026 सायं 6.00 बजे तक	11.05.2026 प्रातः 11.00 बजे

वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक व समय	तकनिकी बिड् के सफलतम निविदादाताओं को नेट के माध्यम से सूचित कर दिया जायेगा।
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की वेबसाईट	www.eproc.rajasthan.gov.in www.sppp.rajasthan.gov.in

1. प्रोसेसिंग फीस / निविदा शुल्क/ बिड सिक्योरिटी राशी डी.डी. /बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक से मान्य नही होगी।
2. RTPP नियमानुसार बिड सिक्योरिटी राशी देय होगी।
3. शेष शर्तो की जानकारी निम्नलिखित वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB Code : ANN2627A0016
UBN Code: ANN2627WSOB00021
राज.संवाद/सी/26/2042

मुख्यमंत्री ने गंग नहर में शताब्दी समारोह व्यापक स्तर पर मनाने के निर्देश दिए

शताब्दी कार्यक्रम सभी प्रमुख हेड रेगुलेटर्स तथा 12 अनाज मंडियों में आयोजित होंगे

जयपुर, 05 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पश्चिमी राजस्थान की जीवन रेखा गंग नहर के निर्माण के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शताब्दी समारोह को लेकर महत्वपूर्ण बैठक ली। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गंग नहर के शिवपुर हैड सहित सभी प्रमुख हैड रेगुलेटर्स पर नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही, गंग नहर प्रणाली से जुड़े क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए पूरे वर्ष गतिविधियों का संचालन किया जाए।

शताब्दी समारोह श्रृंखला के तहत नहर क्षेत्र की 12 अनाज मंडियों में किसानों के साथ संवाद कार्यक्रम भी शामिल है। इनमें किसानों को आधुनिक सिंचाई तकनीक, ड्रिप सिस्टम और जल संरक्षण जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही, नहरों की साफ-सफाई, उत्कृष्ट कार्य करने वाले जल उपयोगकर्ता संगठनों के अध्यक्षों का सम्मान एवं जन जागरुकता कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इसके अलावा, साइकिल रैली, जल संरक्षण विषय पर नुक्कड़ नाटक सहित, विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से आमजन को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि गंग नहर शताब्दी समारोह जनभागीदारी और जागरुकता का व्यापक अभियान बन सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को गंगनहर निर्माण के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित होने वाले शताब्दी समारोह को लेकर अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली।

- **महाराजा गंगासिंह द्वारा निर्मित गंग नहर में पहली बार पानी शिवपुर हेड से 26 अक्टूबर 1927 को आया था। राज्य सरकार अक्टूबर 2026 से 26 अक्टूबर 2027 तक इस उपलक्ष में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है।**
- **शताब्दी समारोह श्रृखंला के तहत नहर क्षेत्र में किसानों से संवाद कर उन्हें विशेषज्ञों के द्वारा आधुनिक सिंचाई तकनीक, ड्रिप सिस्टम, जल संरक्षण आदि की जानकारी दी जाएगी।**

उल्लेखनीय है कि 5 दिसम्बर 1925 को महाराजा गंगासिंह द्वारा गंगनहर का निर्माण कार्य शुरू करवाया गया था तथा 26 अक्टूबर 1927 को गंगनहर की शिवपुर हैड में पहली बार पानी आया था। इसी उपलक्ष्य में 26 अक्टूबर 2026 से 26 अक्टूबर 2027 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग अभय कुमार सहित, अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

अपराधिक अपील लंबित होने के कारण पेंशन परिलाभ नहीं रोक सकते

जयपुर, 5 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि आपराधिक मामले में दोषमुक्त होने के बाद अपील लंबित होने के चलते रिटायर कर्मचारी के पेंशन परिलाभ नहीं रोके जा सकते हैं। इसके साथ ही, अदालत ने कहा है कि तीन माह में याचिकाकर्ता को समस्त बकाया परिलाभ छह फीसदी ब्याज सहित अदा किये जायें। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने ये आदेश देवेन्द्र सलोल्या की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त व विकास निगम के कर्मचारी के मामले में आदेश दिया।**

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त व विकास निगम में कार्यरत था। उसके खिलाफ एसीबी में मामला लंबित होने के कारण उसे एसीपी का लाभ नहीं दिया गया। वहीं अप्रैल, 2016 में उसे एसीबी कोर्ट, कोटा ने दोषमुक्त कर दिया। इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी, जो लंबित चल रही है। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता 31 जनवरी, 2022 को रिटायर हो गया, लेकिन आपराधिक अपील के लंबित होने के कारण उसे पेंशन परिलाभ नहीं दिए गए, जिसे याचिकाकर्ता की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को समस्त परिलाभ ब्याज सहित अदा करने को कहा है।

एसओजी पूरे प्रदेश में आरजीएचएस घोटाले की जाँच करेगा

स्वास्थ्य विभाग के मुकदमे से सामने आया कि कुछ सरकारी डॉक्टर निजी लैब संचालकों से मिलकर बड़े पैमाने पर सरकारी राशि का गबन कर रहे हैं

जयपुर, 5 मई। राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) में सामने आए बड़े घोटाले ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सीकर में एक डॉक्टर और एक लैब संचालक की गिरफ्तारी के बाद अब स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने जांच का दायरा बढ़ाते हुए पूरे प्रदेश में इसकी पड़ताल करने का निर्णय लिया है।

एसओजी के डीआईजी परिस देशमुख ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से दर्ज मुकदमे में सामने आया है कि कुछ सरकारी डॉक्टरों और निजी लैब संचालकों ने मिलीभगत कर सरकारी राशि का बड़े पैमाने पर गबन किया। यह योजना सरकारी कर्मचारियों को कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने के लिए है, जिसमें इलाज के खर्च का सरकार द्वारा अस्पतालों को पुनर्भरण किया जाता है।

प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि कई मामलों में मरीजों के नाम पर जांच की राशि उङ्गाई गई, जबकि वे संबंधित डॉक्टर के पास गए ही नहीं थे। डॉक्टरों द्वारा परामर्श पर्चियों पर

- **कई मामलों में मरीजों के नाम पर जाँच की राशि उठाई गई, जबकि वे संबंधित डॉक्टर के पास गए ही नहीं थे। डॉक्टरों द्वारा परामर्श पर्ची पर अनावश्यक और महंगी जाँचे लिख कर बिल को कई गुना बढ़ा दिया जाता था।**

अनावश्यक और महंगी जांचें लिखी जाती थीं, जिन्हें एक ही निजी लैब में करवाकर बिल को कई गुना बढ़ा दिया जाता था।

तुलनात्मक विश्लेषण में कुछ लैब के बिल अन्य लैब्स की तुलना में कई गुना अधिक पाए गए, जिससे संदेह गहराया और मामला स्वास्थ्य विभाग के संज्ञान में आया।

अब तक की कार्रवाई में सीकर स्थित एक लैब के संचालक डॉ. बनवारी लाल को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसके दूसरे साझेदार का निधन हो चुका है। वहीं सरकारी डॉक्टर कमल कुमार अग्रवाल उर्फ केके अग्रवाल को भी गिरफ्तार किया गया है, जो फर्जी तरीके से जांच लिखने में शामिल था।

एसओजी के अनुसार, अब तक की जांच में एक ही एजेंसी द्वारा करोड़ों रुपए के गबन के प्रमाण सामने आए हैं। आगे जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डीआईजी परिस देशमुख ने बताया कि फिलहाल दर्ज मुकदमा सीकर सहित दो जिलों से संबंधित है, लेकिन अब स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर पूरे राजस्थान में जांच का दायरा बढ़ाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर उन्होंने कहा कि अभी तक किसी अधिकारी की संलिप्तता सामने नहीं आई है, लेकिन जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एसओजी की इस कार्रवाई के बाद साफ है कि आरजीएचएस में लंबे समय से चल रहे इस संगठित फर्जीवाड़े पर अब कड़ा शिकंजा कसने की तैयारी है।

स्कूल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए आयोजित स्कूल व्याख्याता भर्ती-2024 की गत जून माह में हुई लिखित परीक्षा में याचिकाकर्ता शामिल हुआ था।

आयोग की ओर से मॉडल उत्तर कुंजी जारी कर प्रश्नों पर आपत्तियां मांगी, जिसमें याचिकाकर्ता ने आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि प्रश्न संख्या 71 का जवाब आयोग ने विकल्प संख्या 2 को सही माना है, जबकि मान्यता प्राप्त पुस्तकों में इस सवाल का जो जवाब बताया गया है, वह विकल्प संख्या 1 का है।

इसके बावजूद, आयोग की ओर से जारी अंतिम उत्तर कुंजी में विकल्प संख्या 2 के जवाब को ही सही माना गया, जिसे चुनौती देते हुए कहा गया कि इसी सवाल को आयोग ने साल 2022 की स्कूल व्याख्याता भर्ती में पूछा था और उस समय आयोग ने विकल्प संख्या 1 के जवाब को सही माना था।

दो साल में आयोग ने अपनी ओर से तय जवाब को ही बदल दिया।

याचिका में यह भी कहा गया कि माइनस मार्किंग की इस परीक्षा में याचिकाकर्ता केवल 0.66 अंक से कट ऑफ से बाहर हो गया है। ऐसे में यदि इस सवाल का विकल्प संख्या 1 में बताए जवाब को सही माना जाए तो उसका चयन हो जाएगा।

याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए नियुक्तियों को याचिका के निर्णय के अधीन रखा है।

होर्मुज़ को लेकर अमेरिका व ईरान में फिर भड़का तनाव

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हैगसेथ ने कहा सीज़फायर लागू है पर होर्मुज़ के लिए अलग से अभियान चल रहा है

वॉशिंगटन/तेहरान, 05 मई। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ ता दिख रहा है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को लेकर स्थिति बेहद संवेदनशील बनी हुई है। हालात ऐसे हैं कि सीज़फायर की घोषणा के बावजूद दोनों पक्षों की सैन्य गतिविधियां जारी हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने स्पष्ट किया है कि सीज़फायर अभी भी लागू है और इसे खत्म नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में जहाजों की सुरक्षा के लिए चलाया जा रहा अभियान अलग और सीमित प्रकृति का है। उन्होंने यह भी कहा कि यह ऑपरेशन केवल वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा के लिए अस्थायी व्यवस्था है।

रक्षा मंत्री हेगसेथ ने पेंटागन ब्रीफिंग में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को निकालने का अमेरिकी प्रयास ऑपरेशन एपिक फ्यूरी से अलग है। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट फ्रीडम रक्षात्मक प्रकृति का अभियान है। इसका दायरा सीमित है और यह

- **ईरान ने अमेरिका को और गंभीर स्थिति पैदा होने की चेतावनी दी।**

अस्थायी अवधि के लिए है। इस अभियान का एकमात्र मिशन ईरानी आक्रामकता से निर्दोष वाणिज्यिक जहाजों की रक्षा करना है।

रक्षा मंत्री ने बताया कि दो अमेरिकी वाणिज्यिक जहाज जलडमरूमध्य से सफलतापूर्वक गुजर चुके हैं। इसके अतिरिक्त, छह अन्य जहाजों ने ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी का उल्लंघन करने का प्रयास किया था। इन सभी जहाजों को वापस भेज दिया गया।

ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को लेकर संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है और स्थिति आगे और गंभीर हो सकती है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कड़ा बयान देते हुए कहा कि अगर अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाया गया तो ईरान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

कतर के आसमान से अमेरिकी विमान केसी-135 लापता

यह विमान मिडिल ईस्ट में चल रहे सैन्य अभियानों में सहायता दे रहा था

वॉशिंगटन, 05 मई। मिडिल ईस्ट में बढ़ ते तनाव के बीच अमेरिका की वायुसेना का एक केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर विमान अचानक लापता हो गया है। यह विमान कतर के ऊपर उड़ान भर रहा था, तभी अचानक यह रडार स्क्रीन से गायब हो गया। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों में चिंता बढ़ गई है।

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार 24 के अनुसार, इस विमान ने उड़ान के दौरान 7700 इमरजेंसी कोड भेजा था। यह कोड किसी गंभीर तकनीकी खराबी या आपात स्थिति का संकेत होता है। इसके कुछ समय बाद विमान का संपर्क पूरी तरह टूट गया और वह रडार से गायब हो गया।

- **विमान ने उड़ान भरते समय इमरजैंसी कोड भेजा था, उसके बाद वह रडार से गायब हो गया।**

रिपोर्ट के मुताबिक, यह केसी-135 विमान संयुक्त अरब अमीरात के अल धफरा एयर बेस पर तैनात था तथा मिडिल ईस्ट में चल रहे सैन्य अभियानों में सहायता कर रहा था। ट्रैकिंग डेटा में देखा गया कि विमान पहले कुछ समय तक हवा में चक्कर लगाता रहा और फिर नीचे उतरने की कोशिश करने लगा, लेकिन इसके बाद उसका संपर्क टूट गया।

अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि विमान के साथ क्या हुआ। न तो किसी हादसे की पुष्टि हुई है और न ही किसी हमले की आधिकारिक जानकारी सामने आई है। जांच एजेंसियां इस पूरे मामले की जानकारी जुटाने में लगी हुई हैं। यह पहली बार नहीं है, जब केसी-135 विमान को लेकर ऐसी स्थिति सामने आई हो। इससे पहले मार्च महीने में भी ईरान युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना का एक केसी-135 विमान लापता हो गया था।

जहाँ एसआईआर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एनडीटीवी द्वारा किए गए एक विश्लेषण में दिखाया गया कि इनमें से अधिकांश सीटें भाजपा के पक्ष में गईं। पार्टी ने इन 147 सीटों में से 95 सीटें जीतीं, जबकि तृणमूल ने लगभग आधी, यानी 51 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने केवल एक सीट पर जीत दर्ज की।

कुल 67 सीटों पर 15,000 से 25,000 नाम काटे गए थे, वहां भाजपा फिर विजेता बनी। इनमें भाजपा ने 47 सीटें जीतीं, तृणमूल ने 19 सीटें और कांग्रेस ने एक सीट जीती।

62 सीटों में, जहां 5,000 से 15,000 के बीच नाम हटाए गए थे, में भाजपा ने 50 सीटें जीतीं और बाकी तृणमूल ने हासिल कीं। उन सभी 13 सीटों पर, जहां 5,000 से कम वोटर्स के नाम कटे, भाजपा ने जीत दर्ज की।

निर्णय प्रक्रिया के दौरान, "बहिष्कृत करने योग्य" मामलों की संख्या सबसे ज्यादा मुर्शिदाबाद जिले से थी। यहां 4.55 लाख से अधिक नाम हटाए गए, उसके बाद नॉर्थ 24 परगना (3,25,666) और मालदा (2,39,375) का स्थान है। मुर्शिदाबाद में, तृणमूल ने 2021 में 22 में से 20 सीटें जीती थीं; इस बार केवल नौ सीटों पर जीत मिली, जिससे अल्पसंख्यक वोटों में विभाजन और भाजपा के पक्ष में हिंदू वोटों का समेकन दिखा। नॉर्थ 24 परगना में भी यही प्रवृत्ति रही। इस जिले की 33 सीटों में से तृणमूल ने 2021 में 28 सीटें जीती थीं, जो इस बार केवल आठ रह गईं। मालदा की 12 सीटों में पार्टी का हिस्सा 2021 में आठ से घटकर इस बार छह सीटों तक रह गया। बाकी सभी सीटें भाजपा ने जीतीं।

कौन होगा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस पद के लिए आदर्श उम्मीदवार बन सकती हैं। पॉल 2019 से 2024 तक लोकसभा सांसद रह चुकी हैं। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि समिक भट्टाचार्य को इसलिए भी उपयुक्त माना जा सकता है, क्योंकि उनके नेतृत्व में पार्टी ने बंगाल के विधानसभा चुनाव में पहली बार जीत हासिल की। भट्टाचार्य वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं।

ट्रंप ने मोदी को बधाई दी

वॉशिंगटन, 05 मई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक जीत के बाद देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर से प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऐतिहासिक और निर्णायक चुनावी जीत की बधाई दी है।

- **विधानसभा चुनावों में मिली जीत को एतिहासिक जनादेश बताया ट्रंप ने।**

इस ऐतिहासिक जीत और ट्रंप की बधाई को भारत की बढ़ ती वैश्विक साख से भी जोड़कर देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूती मिलेगी और वैश्विक राजनीति में भारत की भूमिका और प्रभावशाली होगी।

'सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 34 से बढ़ाकर 38 की जाएगी'

नई दिल्ली, 05 मई। केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस संबंध में सरकार संसद में विधेयक लाएगी। वर्तमान में मुख्य न्यायाधीश समेत 34 न्यायाधीश हैं। इसे बढ़ ाकर कुल 38 किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को संसद में सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को पेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

- **प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में इस संबंध में संशोधन विधेयक पेश करने को मंजूरी दी गई।**

सरकार का कहना है कि न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि से सर्वोच्च न्यायालय अधिक कुशलता और प्रभावी ढ ंग से कार्य कर सकेगा और त्वरित न्याय सुनिश्चित कर सकेगा।

7 मई को सम्राट चौधरी मंत्रिमण्डल का विस्तार होगा

पटना, 05 मई। बिहार की राजनीति में इन दिनों हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस बहुप्रतीक्षित विस्तार को लेकर आधिकारिक घोषणा भी कर दी गई है।

बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष संजय सरावगी ने मंगलवार को जानकारी दी कि 7 मई को मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा, जिसमें कई बड़े राष्ट्रीय नेता शामिल होंगे।

- **पटना के एतिहासिक गांधी मैदान में होगा शपथ ग्रहण समारोह**

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के मुताबिक, समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति तय मानी जा रही है। इसके अलावा, गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान, केन्द्रीय मंत्री जितन राम मांझी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार समेत, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई दिग्गज नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शीर्ष नेतृत्व द्वारा नए मंत्रियों के नाम लगभग तय कर लिए गए हैं। शपथ ग्रहण को लेकर गांधी मैदान में तैयारियां जोरों पर हैं। वहां एक भव्य मंच का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही विशिष्ट अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के लिए बैठने की व्यापक व्यवस्था की जा रही है।

प्रशासनिक स्तर पर भी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन को लेकर विस्तृत योजना बनाई जा रही है, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढ ंग से संपन्न हो सके।

उल्लेखनीय है कि 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दो उपमुख्यमंत्रियों के साथ शपथ ली थी।

'मैं इस्तीफा नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टीएमसी सुप्रीमो ने दावा किया कि उनकी पार्टी ने वास्तव में जनमत नहीं खोया, तथा आरोप लगाया कि लगभग 100 सीटों को "जबरन छीना गया।" उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त पर चुनाव में "खलनायक" की भूमिका निभाने का आरोप लगाया और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए तथा मतदान के बाद असामान्य रूप से उच्च बैटरी स्तर को लेकर चिंता जताई।

उन्होंने कहा, "सीईसी इस चुनाव में जनता के लोकतांत्रिक अधिकार लूटने वाले विलेन बन गए, और ईवीएम मशीन को लूटने के लिए। क्या आप मुझे बता सकते हैं कि मतदान के बाद ईवीएम मशीन 80 से 95 प्रतिशत चार्ज कैसे रह सकती है? यह कैसे संभव है?"

ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव भारत के चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी के समन्वित प्रयासों से प्रभावित हुए, और दावा किया कि शीर्ष नेतृत्व, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हैं, ने सीधा हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा, "भाजपा ने सीधे चुनाव आयोग के साथ मिलकर खेल खेला। आप इसे "बैटिंग" कह सकते हैं। हम पूरी मशीनरी के खिलाफ लड़े, जिसमें प्रधानमंत्री और गृह मंत्री भी शामिल थे, मैंने अपने जीवन में ऐसा चुनाव कभी नहीं देखा।" ममता ने चुनाव को गंदा, नीच और शरारती प्रक्रिया कहा।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मतदान से पहले के दिनों में उनके पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर गिरफ्तारी और छापेमारी की गई। ममता के अनुसार, प्रशासनिक फेरबदल, जिसमें आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की नियुक्ति और स्थानांतरण शामिल थे, परिणाम को प्रभावित करने के लिए किए गए। "चुनाव से दो दिन पहले उन्होंने हमारे लोगों को अंधाधुंध गिरफ्तार करना शुरू किया, उन्होंने हर जगह छापेमारी शुरू कर दी।"

बनर्जी ने "चुनाव के बाद की हिंसा से प्रभावित" क्षेत्रों का दौरा करने और वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए 10 सदस्यीय तथ्य-जाँच समिति गठित करने की घोषणा की।

उन्होंने 2021 में पोस्ट-पोल हिंसा के आरोपों को आधारहीन बताया।

बनर्जी ने कहा कि विपक्षी इंडिया ब्लॉक के कई नेताओं ने चुनाव परिणाम के बाद उनके साथ एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने कहा, "इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने मुझे एकजुटता दिखाने के लिए कॉल किये। सोनिया जी और राहुल गांधी ने मुझसे बात की।"

बनर्जी ने कहा कि अब वे राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन को मजबूत करने पर ध्यान देंगी।

ज्ञातव्य है कि भाजपा ने 294-सदस्यीय विधानसभा में निर्णायक बहुमत हासिल किया और 207 सीटें जीतकर टीएमसी के 15 साल के शासन का अंत किया।

टीएमसी नेता ने मतदाता सूची को लेकर भी चिंता जताई तथा कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान लगभग 90 लाख नाम हटा दिए गए। उन्होंने कहा कि अदालत के हस्तक्षेप के बाद 32 लाख नाम बहाल किए गए, लेकिन विसंगतियां बनी रहीं और कथित तौर पर अतिरिक्त नाम पारदर्शिता के बिना जोड़ दिए गए।

2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की निर्णायक जीत हुई, जो राज्य में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव दर्शाती है और टीएमसी के लंबे समय से चले आ रहे शासन का अंत करती है।

गत लोकसभा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मददगार रहा। भाजपा के स्टार प्रचारक और मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा द्वारा जोरहाट में आयोजित मेगा रैलियों और यात्राओं का जनता ने स्वागत किया।

युवाओं का एक हिस्सा, जो गौरव गोगोई का समर्थन करने वाला माना गया था, मतदान के दौरान क्षेत्र में अनुपस्थित था, जिससे उनके वोट शेयर पर असर पड़ा।

एक खामोश लेकिन महत्वपूर्ण कारक असम के केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री और राज्यसभा सांसद पबित्रा मार्गेरिटा का जोरहाट को अपना "बेस" बना लेना भी रहा।

भाजपा के पबित्रा मार्गेरिटा, जो गौरव गोगोई की तरह 'अहोम' समुदाय से हैं, ने जोरहाट में लगातार जमीनी संपर्क के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सहज उपलब्धता और लगातार जन संपर्क ने मतदाताओं की धारणा भाजपा के पक्ष में बनाने में मदद की।

गोस्वामी, जो गौरव गोगोई की तुलना में काफी छोटे कद के नेता हैं, ने मुद्दा आधारित और प्रभावी चुनाव अभियान चलाया, जिसमें आक्रामक भाषणों से बचा गया। राष्ट्रीय स्तर पर गौरव की ताकत को स्वीकार करते हुए और खुद को प्रतिबद्ध स्थानीय नेता के रूप में प्रस्तुत करते हुए, उन्होंने मतदाताओं के दिल को छू लिया।

जोरहाट का परिणाम यह दिखाता है कि चुनावी राजनीति में जमीनी संपर्क, स्थानीय विश्वसनीयता और नैरेटिव नियंत्रण कितने ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं। कांग्रेस और विशेष रूप से गौरव गोगोई के लिए यह परिणाम असम में अपनी रणनीति की पुनः समीक्षा करने और आत्म-विश्लेषण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

'तमिलनाडु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर राहुल गांधी विजय के साथ चुनाव लड़ते, तो वे 180-190 सीटें जीत सकते थे।

चोडणकर ने कहा, "स्थानीय नेता, जमीनी स्तर के नेता सुझाव दे रहे थे कि अगर राहुल गांधी, जिनकी तमिलनाडु में व्यापक स्वीकृति है, विजय के साथ अभियान में शामिल होते, तो इसका बड़ा प्रभाव पड़ता और हम तमिलनाडु के चुनावों में धूम मचा सकते थे और लगभग 180-190 सीटें जीत सकते थे।"

लंदन से न्यूयॉर्क तथा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत में लंबी यात्रा का समापन है।"

दूसरे प्रमुख ब्रिटिश अखबार, द गार्जियन ने भी बंगाल के परिणामों पर ध्यान केन्द्रित किया और कहा कि इस राज्य, जो विपक्ष का एक दुर्लभ गढ़ रहा है, को देश भर में भाजपा की सत्ता को मजबूत करने में बेजोड़ कहा जा सकता है।

"नरेन्द्र मोदीज़ बीजेपी विन्स इलैक्शन इन वैस्ट बैंगॉल फॉर द फर्स्ट टाइम" शीर्षक वाले लेख में कहा गया कि बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणाम "भारत के राजनीतिक परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे और पहले से कमजोर विपक्ष को एक और हतोत्साहित करने वाला एक और झटका लगेगा।"

अमेरिका में, न्यूयॉर्क टाइम्स ने "मोदीज़ हिंदू नैशनलिस्ट्स कॉन्कर अ बैस्टियन ऑफ इण्डियाज़ ऑपोजिशन" शीर्षक वाली रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रदर्शन को 'ऐतिहासिक' बताया।

इसमें कहा गया कि पीएम मोदी की भाजपा ने "दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को फिर से बनाने के अपने दशकों पुराने अभियान में सोमवार को नई उपलब्धि हासिल की, और देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में से एक में विधानसभा चुनाव जीता, जहां वह पहले कभी शासन के करीब भी नहीं पहुँची थी।"

रिपोर्ट में तमिलनाडु में विजय की अप्रत्याशित जीत पर भी चर्चा की गई। रिपोर्ट में कहा गया, "दिन के सबसे बड़े आश्चर्यों में से एक तमिलनाडु में था, जहां एक राजनीतिक नौसिखिया अभिनेता जोसेफ विजय चंद्रशेखर की पार्टी ने राज्य की स्थापित पार्टियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया।

वॉशिंगटन पोस्ट ने अपने कवरेज में कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनावी परिणाम पीएम मोदी की "छवि को बढ़ावा देंगे और उनके तीसरे कार्यकाल के मध्य में उनकी स्थिति को मजबूत करेंगे। लेख में कहा गया, "2024 के राष्ट्रीय चुनाव ने उनकी सत्ताधारी पार्टी को सरकार बनाने के लिए क्षेत्रीय सहयोगियों पर निर्भर होना पड़ा। लेख में कहा गया, "उम्मीद है कि वे 2029 में रिकॉर्ड चौथी बार चुनाव लड़ेंगे।

रिपोर्ट में केरल पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया, जहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस-नेतृत्व वाली विपक्षी पार्टी ने सत्तारूढ़ वामपंथी सरकार को परास्त किया, और अपने अंतिम गढ़ों में से एक पर वामपंथी शासन का अंत किया।

पाकिस्तान में, द डॉन अखबार ने चुनावों पर एएफपी की रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें कहा गया कि पीएम मोदी की "राष्ट्रवादी पार्टी" ने "विपक्ष के गढ़ पश्चिम बंगाल राज्य में महत्वपूर्ण चुनावों में जीत हासिल की, जो लंबे समय से उसके प्रतिद्वंद्वी के नियंत्रण में था।"

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इन परिणामों के बाद पीएम मोदी "2029 में आम चुनाव से पहले अधिक बेरोजगारी दर और एक लंबित ट्रेड डील सहित कई आर्थिक और विदेश नीति चुनौतियों से जूझते हुए मजबूत स्थिति में होंगे।"

बांग्लादेश के ढाका ट्रिब्यून ने भी वही एएफपी रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें एक और बड़े चुनावी झटके का उल्लेख किया गया, जिसमें दक्षिणी राज्य तमिलनाडु के वरिष्ठ राजनेता एम.के. स्टालिन अपनी सीट एक अनजाने प्रतिद्वंद्वी को हार गए।

रिपोर्ट में कहा गया कि स्टालिन की सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कज़गम (डी.एम.के.) पार्टी पीछे छूट गई और अभिनेता-राजनेता सी. जोसेफ विजय की नई पार्टी को पहला स्थान मिला।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600